www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 164 || अम्बेडकरनगर
रविवार
06 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:47
सूर्यास्तः 06:22
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार | उत्तर प्रदेश 2027: चुनावी... >> पेज 04 | मरे बच्चे को जिंदा करने के... >> पेज 06 | पैपराजी पर भड़के सलमान ...

81
शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

सैफई महोत्सव व बग्घी पर खर्च पैसे से संवर सकता था लाखों बच्चों का भविष्य : सीएम योगी

टिप्पणी करना आसान है, कर के दिखाना मुश्किल

मुख्यमंत्री ने शिक्षा पर राजनीति करने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि चुनावी घोषणा अलग बात है, लेकिन स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी बनाना कठिन होता है, यह आज प्रदेश में दिखाई दे रहा है। बयान देना आसान है, लेकिन 1.60 करोड़ बच्चों के अकाउंट में डीबीटी से पैसा पहुंचाना कठिन है और यह हुआ है। संस्कृत की छठी क्लास से लेकर आचार्य तक, बच्चों को स्कॉलरशिप के साथ जोड़ना कठिन था, लेकिन सरकार ने वह भी किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

शिक्षकों के सम्मान और कल्याण के लिए सरकार निरंतर कर रही कार्य : बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह

बेसिक शिक्षा के 61 और माध्यमिक शिक्षा के 20 शिक्षक हुए सम्मानित, 33 शिक्षिकाएं भी शामिल

शिक्षा में राजनीति का कोई स्थान नहीं : सीएम योगी

सम्मान

■ उत्कृष्ट शिक्षण, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान के लिए मिला राज्य अध्यापक एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कि शिक्षा में राजनीति का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। राजनीति के चश्मे से देखने वालों को 2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया आमूलचूल परिवर्तन दिखाई नहीं देगा। उन्होंने प्रदेशभर के शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शिक्षा व्यवस्था में उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाएं। यही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा प्रदेश और देश का भविष्य बनाएगी। सीएम योगी शनिवार को शिक्षक दिवस पर बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

दूसरे राज्यों के वीडियो चलाकर किया जा रहा यूपी को बदनाम करने का प्रयासः मुख्यमंत्री

2017 से पहले दंगा-कर्फ्यू व अराजकता का दौर

डबल इंजन की सरकार शिक्षा व्यवस्था को एक्सक्लूसिव, अधिक संसाधनपूर्ण तथा पारदर्शी बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कोई ऐसा शिक्षक नहीं होगा, जिसने नौ वर्ष पहले और आज के उत्तर प्रदेश का परिवर्तन नहीं देखा हो। 2017 से पहले उपद्रव, कर्फ्यू, दंगे व अराजकता के माहौल में स्कूल-कॉलेजों के चलने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब कहीं कोई संकट नहीं। कोई उत्सव से पहले उपद्रव नहीं कर सकता। कल जन्माष्टमी थी। सभी 1586 थानों में, देव मंदिरों में, 75 जनपदों की पुलिस लाइन में, सभी जेलों में, हर मोहल्ले-गांव में इसके आयोजन हुए, लेकिन कहीं कर्फ्यू या दंगे का नाम भी नहीं सुना होगा।

यूपी के शिक्षकों पर अब कोई प्रश्न नहीं

सीएम योगी ने कहा कि आज के उत्तर प्रदेश में कोई शिक्षकों पर प्रश्न नहीं खड़ा करता। जबकि 2017 के पहले ठेके पर नकल होती थी। स्कूल-कॉलेज नकल के अड्डे बन गए थे। युवाओं के सामने पहचान का संकट था और भारत की सबसे बड़ी आबादी का राज्य कठघरे में खड़ा दिखाई देता था। लोग उत्तर प्रदेश में आना नहीं चाहते थे। हमारे युवाओं व शिक्षकों को बाहरी राज्यों में शक की निगाहों से देखा जाता था। लेकिन, अब सभी जगह हमारे युवाओं व शिक्षकों का सम्मान किया जाता है।

>> (शेष 06 पर)

उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाएं शिक्षकः सीएम योगी

यूपी को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार

सीएम योगी ने यूपी को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार की तरफ भी ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्य के जर्जर विद्यालय भवन का वीडियो झांसी का बताकर चलाया गया। यूपी के शिक्षा जगत को अपमानित करने का प्रयास करने वालों को स्मार्ट क्लास, ऑपरेशन कायाकल्प जैसे व्यापक परिवर्तन दिखाई नहीं देते। लेकिन, हमारी प्रतिस्पर्धा चुनावी घोषणाबाजों से नहीं, समय से है। जिस बच्चे को आप पढ़ा रहे हैं, अगर उसमें चूक हो गई तो उसका बचपन दोबारा नहीं आने वाला। इसलिए सही समय पर सही दिशा में सही निर्णय लेने की आदत होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को प्रदेश में चार बार शासन करने का अवसर मिला और जिस कांग्रेस को लगभग छह दशक तक यूपी में शासन करने का अवसर प्राप्त हुआ था, वे दोनों प्रदेश की बदलती व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। पुराने जर्जर भवन दरअसल उन्हीं के स्मारक थे, जिन्हें हम रिप्लेस कर चुके हैं, वे शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं।

नेपाल बाढ़ के बाद 11वें दिन 2 लोग जिंदा मिले

740 फीट लंबी सुरंग से चीनी नागरिक रेस्क्यू

रेस्क्यू

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू/नई दिल्ली । नेपाल में भीषण बाढ़ के 10 दिन बाद भी हजारों लापता लोगों की तलाश जारी है। इसी बीच शनिवार को राहत और बचाव दलों ने अलग-अलग अभियानों में एक चीनी नागरिक और एक नेपाली महिला को जिंदा बचा लिया। नुवाकोट में 64 साल की महिला का रेस्क्यू किया गया। उनके घर का निचला हिस्सा मोटी कीचड़ की परत में पूरी तरह दब गया था और वह उसी में फंस गई थीं। उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर काठमांडू ले जाया गया है।

■ 64 साल की महिला घर के मलबे में मिली

वहीं, नेपाली सेना और दक्षिण कोरिया की रेस्क्यू टीम ने त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की एक सुरंग से चीनी व्यक्ति को बाहर निकाला। वह करीब 225 मीटर (740 फीट) लंबी सुरंग के अंदर था।

बचाव के बाद उसकी स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुंछ अटैक में शामिल पाक आतंकी ढेर

एयरफोर्स काफिले पर फायरिंग की थी

एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मार गिराए गए आतंकी की शनिवार को पहचान हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, यह पाकिस्तानी आतंकी यासिर उर्फ अबु तल्हा है और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। यासिर 2024 में पुंछ में एयरफोर्स के काफिले पर फायरिंग में शामिल था। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया था। इस आतंकी की तस्वीर पहली बार पहलगाम हमले के दौरान सामने आई थी। उस समय मिली एक फोटो में चार आतंकी थे। इनमें से दो को पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। तीसरे यासिर का अब एनकाउंटर हुआ। चौथा हाशिम मूसा फरार है। सूत्रों के मुताबिक, यासिर का नाम पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था।

■ 2024 में एयरफोर्स पर हमले में भी शामिल था यासिर

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

देश के 48 टीचर्स को नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं।

बहस | दावा

सीजेपी-बीजेपी में 'दिमागी नक्सल' पोस्ट पर विवाद

नई दिल्ली । CJP प्रवक्ता सौरव दास और BJP प्रवक्ता गौरव भाटिया के बीच शुक्रवार को X पर बहस हो गई। विवाद उस पोस्ट को लेकर हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि भाटिया ने स्वतंत्र भारद्वाज को 'दिमागी नक्सल' कहा है। दरअसल, सौरव दास ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें गौरव भाटिया के नाम से बयान था कि स्वतंत्र भारद्वाज में जातिवाद का जहर है और BJP का उनसे कोई संबंध नहीं है।

गौरव भाटिया ने इसे फर्जी बताते हुए दास को 24 घंटे के अंदर पोस्ट डिलीट करने और बिना शर्त माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया।

खाना बनाने से इनकार करने पर पति ने पीटा

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर में एक पति ने खाना बनाने से इनकार करने पर पत्नी की पिटाई कर दी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना गुरुवार रात जिंगाबाई टाकली स्थित घर में हुई। आरोपी की पहचान कृष्णकांत यादव के रूप में हुई है।

1 दिसंबर से 4 चुनावी राज्यों में जनगणना

जिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने दी जानकारी

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । जनगणना 2027 के तहत गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों को छोड़कर बाकी हिस्सों में आबादी की गिनती 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक होगी। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। इन राज्यों में नागरिक 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक खुद अपनी जानकारी दर्ज करा सकेंगे। इसे सेल्फ-एन्यूमरेशन कहा गया है। जनगणना की प्रक्रिया के बाद 5 से 9 जनवरी 2027 तक सुधार का दौर चलेगा।

■ बाकी देश में जनगणना की तारीख
■ देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी

इन राज्यों में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी। इसे कोरोना महामारी के कारण टाल दिया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी बोले-ये धुरंधर न हों, लेकिन दुनियाभर में इन्होंने धूम मचाई, मेट्रो से कार्यक्रम में पहुंचे

'श्रीराम कॉलेज के पूर्व छात्र जेनजी लैंग्वेज में ओजी'

समारोह की शुरुआत में पीएम ने 100 रुपए का सिक्का जारी किया। इसी साल अप्रैल में वे डाक टिकट भी जारी कर चुके हैं।

स्पीच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पीएम मोदी 13 साल बाद शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) पहुंचे। वे मेट्रो का सफर करके कॉलेज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मेट्रो में बैठे बच्चों और लोगों से भी बातचीत की।

कॉलेज के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। इसी दौरान पीएम जेन-Z को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा- यहां के एलुमिनाई OG हैं, यानी ओरिजनल गैंगस्टर हैं। यहां के एलुमिनाई स्टूडेंट्स ने हर क्षेत्र में धूम मचाई है। वे धुरंधर भले न हों, पर धूम तो मचाई है। पीएम इससे पहले 2013 में श्रीराम कॉलेज का दौरा कर चुके हैं। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम बोले- कुछ दिन इस आयोजन की खूब चर्चा है

पीएम मोदी ने कहा- "कुछ दिनों से इस कार्यक्रम की खूब चर्चा है। लोग मेरे 2013 के संबोधन को याद कर रहे हैं। नई पीढ़ी के लोगों ने भी उसे रिविजिट किया है। आज भी 13-14 साल बाद भी उस सभा और संबोधन का प्रभाव बरकरार है। साथियों तब आपकी जगह आपके सीनियर थे। मैं तब सीएम तो था पर मैं विपक्षी पार्टी में था। लोग उम्मीद कर रहे थे कि मैं उस वक्त तब की केंद्र सरकार पर आरोपों की झड़ी लगा दूंगा। पर मैंने इस मंच का वो उपयोग नहीं किया। मैंने एक विजन रखा था। मैंने तब जो कहा था वो मेरा कनविक्शन था।"

मोदी बोले- देश के लिए जीने का जज्बा मेरे अंदर भावविष्ट

स्पीच के दौरान पीएम ने कहा- "देश के लिए जी जान से जुटना। देश के लिए जीने का जज्बा, जो मेरे अंदर भावविष्ट है। वो 2013 में यहीं से शब्दों की माला में गढ़ता गया। मैं काफी देर बोला था। मैंने उस दिन पानी के ग्लास का एक उदाहरण दिया था। मैंने कहा था कि पानी के आधे भरे ग्लास को देखने के तीन नजरिए क्या होते हैं। एक जिनको ग्लास आधा खाली दिखता है। दूसरा जिन्हें ग्लास आधा भरा दिखता है। और तीसरा जिन्हें ग्लास पूरा भरा दिखता है। आधा हवा से आधा पानी से।" इस कॉलेज की यात्रा दरियागंज के एक छोटे से स्थान से शुरू हुई थी। और वही छोटा कॉलेज एक विशाल वृक्ष बन चुका है। इसने कई लोगों को छांव और शीतलता दी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कार्रवाई : इकरा हसन हाउस अरेस्ट, इमरान मसूद बोले- संविधान की धज्जियां उड़ाई गई

सहारनपुर में मस्जिद पर बुलडोजर एक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित मस्जिद पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया है। कैराना सीट से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन इसका विरोध करने के लिए जब अपने घर से निकलीं तो पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। इस मामले में सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद ने ANI से कहा, "हमारे लोग पूरी रात जागते रहे। हम अधिकारियों से संपर्क करने की लगातार कोशिश करते रहे। सारी जानकारी देने के बावजूद, न सिर्फ मस्जिद को गिराया गया बल्कि वहां संविधान की धज्जियां भी उड़ाई गईं... हाईकोर्ट में सब कुछ नजरअंदाज कर दिया गया न तो वक्फ बोर्ड को मामले में पक्षकार बनाया गया और न ही कार्यवाही में शामिल किया गया... इलाके को चारों तरफ से घेरकर और लोगों को घरों में कैद करके मस्जिद को गिराया गया... हम कानूनी दायरे में रहकर यह लड़ाई लड़ेंगे।"

>> (शेष पेज 06 पर)

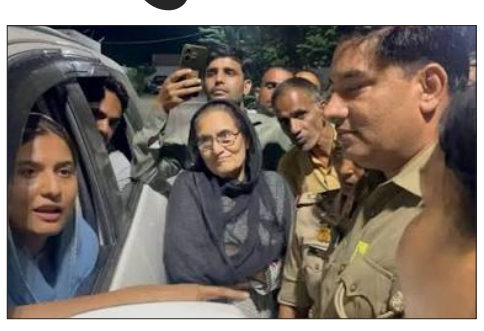

बजरंग दल के नेता ने दी थी शिकायत

इस मामले में बजरंग दल के पूर्व प्रांतीय समन्वयक विकास त्यागी ने शिकायत दी थी। त्यागी ने शिकायत में आरोप लगाया था कि डीएम कार्यालय परिसर के अंदर मस्जिद का निर्माण अवैध ढंग से किया गया था और इसका इस्तेमाल धार्मिक उद्देश्यों के अलावा व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी किया जा रहा था। त्यागी ने कहा था कि यहां बने कुछ कमरे किराए पर दिए गए थे और इनका किराया मस्जिद समिति वसूल रही थी।

अवैध मस्जिद को गिराने का काम

शनिवार सुबह प्रशासन ने अवैध मस्जिद को गिराने का काम शुरू किया। इस दौरान एसडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। हालात को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पीएसी के जवानों सहित पुलिस बल को कलेक्ट्रेट परिसर में तैनात किया गया है और एहतियात के तौर पर परिसर के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

मीडिया सेक्टर में विश्वसनीयता का संकट : नितिन गडकरी

गडकरी बोले- ये सबसे बड़ी समस्या

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नागपुर । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सभी संस्थानों में मीडिया के सामने विश्वसनीयता का संकट सबसे बड़ी समस्या है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि मीडिया अपनी विश्वसनीयता फिर से कायम करे।

गडकरी शनिवार को IIM नागपुर मीडिया कॉन्क्लेव 2026 में 'मीडिया, नेतृत्व और नई विश्व व्यवस्था' विषय पर बोल रहे थे।

उन्होंने लोकतंत्र की प्रगति के लिए स्वतंत्र-निष्पक्ष न्यायपालिका के साथ स्वतंत्र-निष्पक्ष मीडिया को जरूरी बताया। 21वीं सदी में हर सेक्टर के लिए विश्वसनीयता, सद्भावना और ईमानदारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता कम हुई है, लेकिन मीडिया की विश्वसनीयता बहुत ज्यादा घटी है। हालांकि इसमें सभी मीडिया संस्थान शामिल नहीं हैं।

■ लोकतंत्र के लिए न्यायपालिका और मीडिया का निष्पक्ष होना जरूरी

>> (शेष पेज 06 पर)

मेरठ-बाराबंकी में मकान ढहा, 10 शहरों में बारिश, 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात

एंबुलेंस फंसी, चारपाई पर प्रेग्नेंट-महिला को ले गए

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। शनिवार सुबह से लखनऊ, नोएडा और गोरखपुर समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर हल्की बारिश हो रही है। बाकी शहरों में बादल छाए हैं। बीच-बीच में धूप निकल रही है। आज 71 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

आगरा में शुक्रवार देर रात जलभराव में एंबुलेंस फंस गई। लोगों ने प्रेग्नेंट महिला को चारपाई पर लादकर घर से 500 मीटर दूर एंबुलेंस तक पहुंचाया। मेरठ और

बाराबंकी में भारी बारिश के बीच मकान ढह गया। 2 बच्चों समेत 3 लोग घायल हो गए।

इधर, लगातार हो रही बारिश से वाराणसी और प्रयागराज समेत 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं। अब तक 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 5 हजार लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। रामपुर के बाढ़ से घिरे भैया नगला गांव में ग्रामीणों की आवाजाही के लिए प्रशासन ने तीन और नावें भेजी हैं। अब गांव में कुल चार नावें हो गई हैं। इनमें एक बड़ी लकड़ी की नाव ट्रैक्टर-ट्रॉली पर लदी है, जिसे पानी में उतारने का प्रयास किया जा रहा है। बुधवार रात पुल टूटने और कई जगह सड़कें बह जाने से गांव का मुख्यालय से संपर्क कट गया था। एसडीएम सदर हर्षवर्धन समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। ग्रामीणों को नाव मिलने से आवाजाही में कुछ राहत मिली है, लेकिन राशन-पानी और दवाइयों की समस्या अभी बनी हुई है।

रामपुर में बाढ़ से घिरा भैया नगला गांव, पुल टूटने से कटा संपर्क

नोएडा में तेज हवा के साथ बारिश, सुबह से काले बादल छाए थे

सोनभद्र में रिहंद बांध का जलस्तर 871.8 फीट, एक फाटक से निकासी जारी

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-पूर्वी यूपी के करीब राजस्थान के पास बना मानसूनी सिस्टम 24 घंटे के बाद पूर्व की तरफ मुड़ेगा। इससे 6 से 8 सितंबर के बीच पूर्वी यूपी के कुछ इलाकों में भारी बारिश होगी। 8 सितंबर के बाद बारिश कराने वाला यह सिस्टम कमजोर पड़ जाएगा। इससे पूरे राज्य में भारी बारिश थम जाएगी। हालांकि, कहीं-कहीं हल्की-फुल्की बारिश या बौछारें पड़ती रहेंगी।

लखनऊ में सुबह हल्की बारिश, फिलहाल बादल छाए दिन में बरसात का अलर्ट

लखनऊ में शनिवार तड़के रिमझिम बारिश हुई। इसके बाद से आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने दिन में बारिश होने के आसार जताए हैं। विभाग के मुताबिक, 6 सितंबर से राजधानी में एक बार फिर बारिश का दौर तेज हो सकता है।

> नोएडा में काले बादलों के बाद अब तेज बारिश शुरू हो गई है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आईएमडी के मुताबिक, आज येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिस दिन भर बारिश की उम्मीद है।

आरटीओ अचानक बाराबंकी एआरटीओ दफ्तर पहुंचे

कर्मचारियों की हाजिरी और आईडी कार्ड भी देखे

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में शनिवार सुबह करीब 11 बजे लखनऊ के आरटीओ प्रशासन अरुण कुमार पांडे अचानक बाराबंकी एआरटीओ कार्यालय पहुंच गए। उन्होंने कार्यालय के कामकाज, कर्मचारियों की उपस्थिति और व्यवस्थाओं की जांच की। जांच करीब दोपहर 3 बजे तक चली। अचानक अधिकारियों के पहुंचने से कार्यालय के कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों में हलचल मच गई।

जांच के दौरान आरटीओ प्रशासन ने कर्मचारियों की हाजिरी की जांच की। उन्होंने कर्मचारियों के पहचान पत्र भी देखे। कार्यालय में कामकाज किस तरह संचालित हो रहा है और कर्मचारियों की जिम्मेदारियां कैसे निभाई जा रही हैं, इसकी भी जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल किए। इस दौरान रिकॉर्ड और जरूरी दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई।

अचानक जांच के दौरान कार्यालय परिसर में बाहरी लोगों की मौजूदगी और उनके आने-जाने के तरीके पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में गैर-जरूरी लोगों की आवाजाही नहीं होनी चाहिए।

आरटीओ प्रशासन ने कार्यालय में आने वाले लोगों पर नजर रखने और बिना जरूरी काम के किसी बाहरी व्यक्ति को अंदर प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

फास्ट न्यूज

डीएम-एसपी ने छात्राओं संग जमीन पर बैठकर किया भोजन

बाराबंकी। बाराबंकी में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने शनिवार को महमूदाबाद स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का अचानक निरीक्षण किया। दोपहर करीब एक बजे स्कूल पहुंचे डीएम ने लगभग दो घंटे तक विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय भी उनके साथ मौजूद रहे।

आगरा में सत्याग्रह प्रदर्शन के दौरान विवाद

आगरा। आगरा में शहीद स्मारक पर सत्याग्रह चल रहा है। सुबह 10 बजे से ही कार्यकर्ता पहुंचे। हाथ में अपनी-अपनी मांगों से जुड़ी तख्तियां लेकर पहुंचने कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के नए नियम की वापसी और आरक्षण व्यवस्था खत्म करने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों का कहना है कि यूजीसी के हालिया फैसलों से सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव हो रहा है। इस दौरान एक-दूसरे पर टीका-टिप्पणी से विवाद हो गया। क्षत्रिय समाज के लोगों ने कार्यक्रम में खुद को नजर अंदाज किए जाने का आरोप लगाया। बताया कि यहां भाजपा विधायक रानी रानी पक्षालिका सिंह पर गलत टिप्पणी की गई।

बाराबंकी में 50 साल पुराना मकान भरभराकर गिरा

बाराबंकी। बाराबंकी के मुबारकपुर गांव में शनिवार सुबह 8:30 बजे 50 से 60 साल पुराना मकान अचानक गिर गया। इस घटना में घर में मौजूद एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला की कमर की हड्डी टूट गई है। मुबारकपुर गांव के रामनाथ अपने तीन बच्चों, मां और पत्नी महादेवी के साथ इसी पुराने मकान में रहते थे।

बेटी को मुर्गा बनाया तो पिता ने प्रिंसिपल को पीटा

शर्ट फाड़ी, थप्पड़ मारे, स्कूल में तोड़फोड़ की

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में प्रिंसिपल ने देरी से स्कूल पहुंचने पर कक्षा-6 की छात्रा को मुर्गा बना दिया। इसका पता चलते ही पिता भड़क गया। आरोप है कि स्कूल में घुसकर उसने प्रिंसिपल को थप्पड़ मारे, शर्ट फाड़ दी और दोबारा ऐसा करने पर गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी।

स्कूल के टीचर्स ने किसी तरह प्रिंसिपल को छुड़ाया। घटना 1 सितंबर को जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर पूर्व माध्यमिक विद्यालय में हुई। मामला तब सामने आया, जब 3 सितंबर को प्रिंसिपल ने पिता के खिलाफ स्कूल में तोड़फोड़ और मारपीट का केस दर्ज कराया।

गोला क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय खिरकिटा दुबे के प्रिंसिपल जितेंद्र कुमार (56) ने तहरीर में बताया कि 1 सितंबर की सुबह

कक्षा-6 की छात्रा स्कूल देर से पहुंची थी। छात्रा अनुशासन में रहे, इसलिए उसे कुछ देर के लिए मुर्गा बनाया गया था।

शाम को स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्रा घर गई और पिता दिलीप कुमार को यह बात बता दी। हमारे स्कूल से निकलने से पहले ही वह स्कूल आ गया। उसने मुझसे बेटी को सजा देने का कारण पूछा तो मैंने बताया। इसके बाद वह कहासुनी करने लगा। मैंने दिलीप को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह मारपीट करने लगा। उसने स्कूल के स्टाफ के सामने मुझे पीटा।

पेड़-पौधों में कला, खेल में गणित और बॉटनिकल गार्डन में साइंस

यूपी के 3 शिक्षकों को किया सम्मानित

यह उन गुरुओं के सम्मान का दिन है : राष्ट्रपति मुर्मू

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। शिक्षक दिवस पर आज प्रदेश के 84 उत्कृष्ट शिक्षक अपने नवाचारी कार्यशैली और समर्पण के लिए सम्मानित हुए। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यूपी के 3 शिक्षकों को 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' प्रदान किया।

सम्मान पाने वाले इन शिक्षकों में कोई प्रकृति को ब्लैकबोर्ड बनाकर कला सिखाता है, कोई गणित के मुश्किल सूत्रों को खेल में बदल देता है, तो कोई 63 साल की उम्र में YouTube और बॉटनिकल गार्डन से साइंस को आसान बना रहा है। यह उन गुरुओं के सम्मान का दिन है जिन्होंने शिक्षा को डर नहीं, बल्कि सीखने का आनंद बनाया।

कौशांबी के कम्पोजिट विद्यालय रसूलाबाद कोइलहा में कार्यरत शालिनी कुशवाहा को आज राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया। 18 अप्रैल 2018 से स्कूल में तैनात शालिनी वर्तमान में अकादमिक रिसोर्स पर्सन (ARP) की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

अंग्रेजी से एमए करने वाली शालिनी की कक्षा का नियम अलग है। वह कठिन पाठ्यक्रम या गणित के सवालों को कभी 'मुश्किल' नहीं कहतीं, बल्कि रुआओ,

आज नया खेल खेलते हैं कहकर पढ़ाना शुरू करती हैं। भाषा, गणित और FLN (बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान) पर केंद्रित उनके इस तरीके ने लगभग 333 बच्चों के मन से पढ़ाई का डर दूर कर उनमें आत्मविश्वास जगाया है।

शालिनी की मां भी शिक्षिका थीं, उन्हीं की प्रेरणा से वो टीचर बनीं। स्कूल के 6 घंटों के अलावा वह रोज घर पर 2 घंटे नई टीचिंग ट्रिक्स तैयार करती हैं। उनका मानना है कि बच्चे उपदेश से नहीं, उदाहरण से सीखते हैं। कहती हैं कि—बच्चों में जैसा बीज बोएंगे, वैसा ही पौधा तैयार होगा। शिक्षक का काम पढ़ाई का डर नहीं, सीखने का आनंद देना है।

पुरस्कार में किसे क्या मिलेगा

राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले तीनों शिक्षकों को : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में रजत पदक, खुद के हस्ताक्षरयुक्त मेरिट सर्टिफिकेट और 50 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान किया। बाद में इन शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संवाद किया और उनके अनुभव सुने।

राज्य पुरस्कार पाने वाले 81 शिक्षकों को : प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और 25,000 की सम्मान राशि दी गई। साथ ही दो साल का सेवा विस्तार भी दिया गया। इन्हें आजीवन हर साल उत्तर प्रदेश रोडवेज बस में 4,000 किलोमीटर तक की निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई।

लखनऊ में अखिलेश बोले- जेपीएनआईसी जितने में बेचा उतना सिर्फ पार्किंग से कमा लेंगे

'कानपुर एक्सप्रेसवे को पंखे से सुखाना पड़ा'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शामिल हुए। उन्होंने यूपी में बंद करीब 26 हजार प्राइमरी स्कूलों को लेकर कहा कि सत्ता में आने पर इन्हें दोबारा खोला जाएगा।

अखिलेश ने गोमती नदी की सफाई को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। कहा कि अखबारों में पढ़ने को मिलता है कि गोमती साफ होने जा रही है, जिस तरह उनकी सरकार में रिवरफ्रंट बनाया जा रहा था, अब सरकार रिवरफ्रंट और नदी की सफाई की बात कर रही है। क्या यह सिर्फ बजट के लिए किया जा रहा है।

अखिलेश यादव का कहना है कि अगर आपने जर्जर स्कूल का फोटो या वीडियो बना लिया तो मुकदमा दर्ज हो जाएगा।

नाले पर रिवरफ्रंट बनाने की बात कही जा रही है। JPNIC को अखिलेश ने करप्शन का अड्डा बताया गया। कहा कि बिल्डिंग के आसपास 5-स्टार होटल हैं। सिर्फ 30 साल की पार्किंग का हिसाब जोड़ लिया जाए तो बिल्डिंग की लागत निकल आएगी। जहां ताज होटल और लोहिया पार्क है, वहां 20 एकड़ जमीन की कीमत कितनी होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

एक्सप्रेसवे को लेकर अखिलेश ने कहा कि बनने के बाद ही एक्सप्रेसवे ढहने लगे हैं। उन्होंने 63 किमी के एक एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए कहा कि इसे 4 हजार करोड़ रुपए में बनाया गया। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और कानपुर एक्सप्रेसवे पर भी उन्होंने सवाल उठाए। बोले- कानपुर एक्सप्रेसवे को पंखे से सुखाना पड़ा। मां गंगा बुलाएंगी तो गंगा एक्सप्रेसवे से नहीं जाना। हमारे शिक्षक ही हमारे रक्षक हैं। शिक्षक ही भविष्य बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जर्जर स्कूल का फोटो या वीडियो बनाने पर मुकदमा दर्ज हो जाता है। अंग्रेजों ने भी कभी शिक्षा पर मुकदमा दर्ज नहीं किया था, लेकिन अब ऐसा किया जा रहा है।

लैपटॉप मिलने से बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिला

अखिलेश यादव ने कहा कि संघ से जुड़े लोग सभी को एक रंग में रंगना चाहते हैं। सपा सरकार के दौरान बच्चों को दिए गए लैपटॉप का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी बच्चे बताते हैं कि लैपटॉप ने उनकी पढ़ाई में मदद की। उन्होंने कहा कि लैपटॉप मिलने से बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिला। अखिलेश यादव ने पुलिस व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार ने दुनिया की पुलिस व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डायल-100 की शुरुआत की थी। बाद में इसे डायल-112 कर दिया गया। उन्होंने 1090 महिला हेल्पलाइन का भी जिक्र किया।

लैपटॉप योजना का जिक्र, बोले- यूपी के हर इलाके में पहुंचाया

अखिलेश ने सपा सरकार की लैपटॉप योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यूपी का ऐसा कोई इलाका नहीं था, जहां लैपटॉप नहीं पहुंचा हो। उन्होंने कहा कि लैपटॉप ने बच्चों की पढ़ाई में मदद की और उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया। HP कंपनी से ऐसा लैपटॉप बनाने को कहा था, जिसे खोलने पर सबसे पहले नेता जी की तस्वीर दिखाई दे। उन्होंने दावा किया कि तस्वीर हटाने की कोशिश के बावजूद उसे हटाया नहीं जा सका।

वाराणसी में रीलबाजी में युवक को लगी गोली

3 दोस्त बना रहे थे वीडियो, घायल की ट्रॉमा में हालत गंभीर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्यौहरियापुर गांव में शनिवार दोपहर में रील बनाने के दौरान अचानक चली गोली से गांव का ही रहने वाला 16 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली चलने की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में लोग उसे पिंडरा पीएचसी लेकर गए। वहां पर प्राथमिक उपचार और घायल की चिंताजनक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए रेफर कर दिया। घायल को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ब्यौहरियापुर गांव के रहने वाले प्रहलाद चौहान का पुत्र नीतिन चौहान शनिवार दोपहर में गांव में ही

अपने दो दोस्तों के साथ मोबाइल से रील बना रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रील शूटिंग के दौरान ही अचानक गोली चली और नीतिन को लग गई। गोली की तेज आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

घटना की सूचना मिलते ही कठिरांव चौकी पुलिस और फूलपुर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। घायल नीतिन को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए पहले पिंडरा पीएचसी फिर बार में बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भिजवाया गया।

प्रदर्शन : बोला- मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा, बुलंदशहर में टैक्सी ड्राइवर के यहां छिपा था

सीजेपी कार्यकर्ता को पीटने वाला स्वतंत्र यूपी से दबोचा गया

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) नीशू आजाद के पिता के साथ मारपीट करने वाले स्वतंत्र भारद्वाज और उसके एक साथी पवन को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम करीब 5 बजे बुलंदशहर से पकड़ लिया। उसे अपने साथ लेकर पुलिस दिल्ली रवाना हो गई।

स्वतंत्र अपने साथी पवन के साथ बुलंदशहर में नैथला निवासी हरिशंकर उर्फ अन्नू के यहां ठहरा था। हरिशंकर दिल्ली में टैक्सी ड्राइवर हैं। उन्होंने दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की, हालांकि कैमरे पर आने से मना कर दिया।

पकड़े जाने से पहले स्वतंत्र ने मीडिया से करीब 3 मिनट तक बात

की और कहा- "मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। चाहे पूरा विपक्ष एकजुट हो मेरा बाल बांका नहीं कर सकता। मैं दिल्ली पुलिस का सपोर्ट कर रहा हूं। धर्मो रक्षति रक्षितः।" एसपी सिटी अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया, 'सूचना मिली है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल क्राइम ब्रांच बुलंदशहर आई थी। उसने स्वतंत्र को चोला थाना क्षेत्र के गांव धमेड़ा नारा से गिरफ्तार किया है।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका को पुलिस ने बैरेकेडिंग लगाकर रोक दिया था। जिसके बाद उन्होंने पुलिस से बात की।

गिरफ्तारी के लिए दिल्ली में सीजेपी का प्रदर्शन

स्वतंत्र की गिरफ़्तारी को लेकर CJP ने आज दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में प्रदर्शन किया। CJP की मांग थी कि आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो। पुलिस और CJP प्रतिनिधियों के बीच करीब 3 घंटे बैठक चली। पुलिस ने आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ SC/ST एक्ट लगेगा और 72 घंटे के अंदर गिरफ्तारी होगी।

आरोपी बोला- चाहे ट्रंप आएं या नेतन्याहू, कोई कुछ नहीं कर सकता

स्वतंत्र ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य लोगों की तरफ से सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही पॉडकास्ट क्लिप को फर्जी बताया। उसने कहा- चाहे ट्रंप आ जाएं या नेतन्याहू आ जाएं। या राहुल गांधी समेत पूरा विपक्ष सड़क पर आ जाए, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। मैं तो सनातन के लिए काम करता हूं। भाजपा नेता कपिल मिश्रा की मदद से रिहाई मिलने के आरोपों पर भारद्वाज ने कहा- कपिल मिश्रा और चिराग पासवान मेरे भाई जैसे हैं। रिहाई वाली सिर्फ मजाक में कही गई थी। लोगों ने उसे गलत तरीके से समझ लिया।

वाराणसी में सीएम योगी ने बाढ़ का किया हवाई सर्वेक्षण

राहत सामग्री बांटी, कहा- आज हम सब एक नई काशी देख रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में शनिवार को सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। पुलिस लाइन पहुंचने पर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से वरुणा नदी और गंगा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया।

हवाई निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ मंडलायुक्त एस. राजलिंगम और जिलाधिकारी सत्येंद्र झा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का आकलन कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सर्वेक्षण के बाद मुख्यमंत्री

शिवपुर स्थित विद्या विहार इंटर कॉलेज, सलारपुर में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर पहुंचे। यहां उन्होंने राहत सामग्री वितरित की और शिविर में रह रहे लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राहत कार्यों और व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी। इस दौरान सीएम ने कहा- आज मैं कह सकता हूं कि पिछले 9-9.5 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में किए गए कार्यों के अच्छे परिणाम सामने आए हैं, जो वाराणसी में भी दिखाई दे रहे हैं।

सीएम ने कहा- आज हम सब एक नई काशी देख रहे

इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा- इस विद्यालय परिसर में आकर के राहत कार्यों की समीक्षा करने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन ने क्या व्यवस्थाएं की हैं, इनका निरीक्षण करने का अवसर मिला था।अभी मैंने पीड़ित परिवारों से बातचीत की है और राहत सामग्री का भी वितरण किया है।

जयकारों से गूंज उठा पुलिस लाइन फूलों की होली ने बांधा समां, शंखनाद के बीच हुई पूजा और आरती

आधी रात जन्मे कान्हा

आयोजन

बृजेंद्र वीर सिंह

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाई रौनक

> जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भजन-कीर्तन, कृष्ण लीला, झांकी और दही-हांडी कार्यक्रम हुए। मंदिरों में देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। प्रमुख मंदिरों और आयोजन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। आधी रात जैसे ही कृष्ण जन्म का समय हुआ, पुलिस लाइन परिसर शंखनाद और 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा। फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजे मंदिर में विधिविधान से पूजा-अर्चना और आरती की गई। इससे पहले शाम से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहा। फूलों की होली कार्यक्रम का खास आकर्षण रही। पुलिस लाइन स्थित मंदिर को फूलों और रंगीन रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शाम होते ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कृष्ण जन्म के प्रसंग से जुड़े कार्यक्रमों ने आयोजन को खास बनाया। रात 12 बजे कृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। पूजा और आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला जज चंद्रोदय कुमार, डीएम ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार, डॉ. तेजवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी नीतीश कुमार तिवारी समेत पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

घरों में भी सजे कान्हा-राधा के रूप

कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर से लेकर गांवों तक मंदिरों को सजाया गया। घरों में भी विशेष तैयारियां की गईं। बच्चों को कान्हा और राधा के रूप में सजाया गया। मुकुट और बांसुरी से सजे बच्चों ने आकर्षण बढ़ाया। कई स्थानों पर कृष्ण की झांकियां सजाई गईं।

शिक्षक दिवस और नेत्रदान पखवाड़े पर मेडिकल कॉलेज में जागरूकता अभियान

पोस्टर पर हस्ताक्षर, नेत्रदान का संदेश, चिकित्सकों से लेकर इंटर्न तक हुए शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में शनिवार को नेत्रदान जागरूकता अभियान के दौरान पोस्टर पर एक-एक कर चिकित्सकों, इंटर्न छात्रों और कर्मचारियों ने हस्ताक्षर किए। नेत्रदान पखवाड़े और शिक्षक दिवस के अवसर पर नेत्र रोग विभाग की ओर से आयोजित अभियान में पोस्टर के माध्यम से नेत्रदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार पटेल ने कहा कि नेत्रदान को लेकर लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना जरूरी है। इसके लिए समाज में नेत्रदान के महत्व और इससे जुड़ी जानकारी का प्रसार किया जाना चाहिए।

नाक-कान-गला विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद यादव ने कहा कि चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की जिम्मेदारी है कि वे स्वास्थ्य से जुड़ी सही जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में इस तरह के कार्यक्रम उपयोगी हैं।

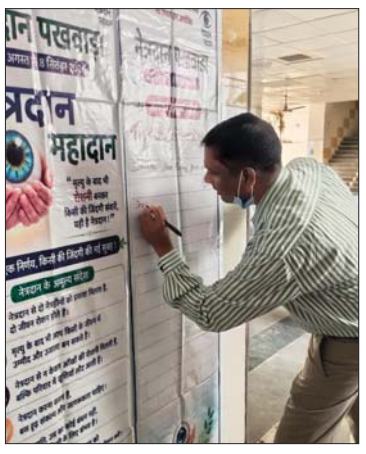

अभियान के दौरान चिकित्सकों और कर्मचारियों ने पोस्टर पर नेत्रदान से संबंधित जागरूकता संदेश भी लिखे। डॉ. अमित कुमार पटेल, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. साजन देव केसर, डॉ. सृष्टि नागराजन, डॉ. सुशील शर्मा, डॉ. वर्षा, डॉ. अरबी, डॉ. नीलम, डॉ. आनंद, डॉ. सबल और डॉ. शुभम ने हस्ताक्षर कर अभियान में भाग लिया। इंटर्न छात्रों, नर्सिंग स्टाफ और नेत्र विभाग के अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता की।

कार्यक्रम में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों और गुरुजनों को शुभकामनाएं दी गईं। वहीं नेत्रदान पखवाड़े के तहत आयोजित अभियान में पोस्टर के जरिए नेत्रदान से संबंधित जानकारी और जागरूकता का संदेश दिया गया।

फास्ट न्यूज

अब रोवर बताएगा जमीन की सही सीमा

अंबेडकरनगर। भूमि सीमा विवादों के निस्तारण के लिए राजस्व विभाग ने रोवर (GNSS) तकनीक से सीमांकन शुरू किया है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर तहसील अकबरपुर के गौहन्ना गांव में लंबित सीमा विवाद के मामले में रोवर तकनीक से प्राथमिक सीमांकन कराया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार अकबरपुर दिव्या भारती वर्मा और पक्षकारों की मौजूदगी में हुई।

अंबेडकरनगर में 300 से अधिक बाल विवाह रुकवाए

अंबेडकरनगर। जिले में बाल विवाह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह की समाप्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किया है। जन विकास संस्थान ने इस फैसले का स्वागत किया है। संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की सहयोगी है। संस्था के निदेशक राजमणि ने शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बताया कि अंबेडकरनगर में सरकार और प्रशासन के सहयोग से कानूनी हस्तक्षेप के जरिए 300 से अधिक बाल विवाह रुकवाए गए हैं।

राधा-कृष्ण के रूप में सजे बच्चे

अंबेडकरनगर। अकबरपुर की मानस नगर कॉलोनी में कृष्ण जन्माष्टमी पर बच्चों की राधा-कृष्ण की सजीव झांकी आकर्षण का केंद्र रही। कॉलोनी निवासी योगेंद्र नाथ शुक्ला के आवास पर भगवान कृष्ण की आकर्षक झांकी सजाई गई। इसमें मोहल्ले के लोगों ने सहभागिता की।

आयोजन में बच्चों ने विशेष उत्साह दिखाया। कुछ बच्चों ने कृष्ण का स्वरूप धारण किया, जबकि बच्चियों ने राधा का रूप सजाया।

युवक को साथ ले गए, दो दिन बाद जमीन का बैनामा देख मां के उड़े होश

जमीन के बाद खाते से रकम निकालने का भी दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महरुआ थाना क्षेत्र में एक युवक को घर से ले जाने के बाद उसकी जमीन का बैनामा कराने का मामला सामने आया है। युवक की मां किरन दूबे ने शनिवार को पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर पूरे घटनाक्रम की जांच की मांग की है। आरोप है कि एक सितंबर को विवेक दूबे और धीरज राजभर उनके बेटे अन्नू दूबे को घर से अपने साथ ले गए। दो दिन बाद पता चला कि अन्नू के नाम की जमीन का बैनामा अतुल पटेल के नाम हो चुका है। महिला ने जमीन की रकम भी उसके बैंक खाते से निकाले जाने का आरोप लगाया है।

> महरुआ में मां ने दो लोगों पर लगाया बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

किरन दूबे के अनुसार, उनका बेटा अन्नू अकबरपुर की सब्जी मंडी में काम करता था। करीब दो सप्ताह पहले उसकी पहचान विवेक दूबे और धीरज राजभर से हुई थी। महिला का आरोप है कि दोनों धीरे-धीरे अन्नू को अपने साथ ले जाने लगे। एक सितंबर को दोनों घर पहुंचे और अन्नू को साथ लेकर चले गए। इसके बाद वह वापस घर नहीं आया। तीन सितंबर को परिजनों को अन्नू के नाम दर्ज जमीन के बैनामे की जानकारी हुई। महिला के मुताबिक, जमीन अतुल पटेल के नाम करा दी गई थी। उन्होंने बैनामा धोखे से कराए जाने का आरोप लगाया है।

अकबरपुर को चमकाने की तैयारी, 2000 एलईडी के साथ 25 बैटरी ई-रिक्शा खरीदेंगे

15वें वित्त की बची धनराशि से सफाई उपकरणों की खरीद को मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर शहर की सफाई व्यवस्था से लेकर मार्ग प्रकाश तक में बदलाव की तैयारी है। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में 15वें वित्त आयोग की बची धनराशि से सफाई और नगर की अन्य व्यवस्थाओं के लिए उपकरण खरीदने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही 2,000 एलईडी लाइटें खरीदने का निर्णय हुआ। पुराने नालों और नालियों के स्थान पर नए नाले बनाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

शनिवार को पालिका सभागार में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में त्योहारों की तैयारियों के साथ नगर की सफाई, जल निकासी, जलापूर्ति, सौंदर्यीकरण और मार्ग प्रकाश व्यवस्था पर चर्चा हुई।

बोर्ड ने दो टैंकर, पांच पानी ट्रैक्टर और दो फॉगिंग मशीन खरीदने को मंजूरी दी। सफाई व्यवस्था के लिए 25 बैटरी ई-रिक्शा खरीदे जाएंगे। इसके अलावा दो मोबाइल टॉयलेट, 50 डस्टबिन कंटेनर और हरे-नीले रंग के 100 डस्टबिन सेट खरीदे जाएंगे। दो स्काई लिफ्ट वाहन खरीदने का प्रस्ताव भी पारित हुआ।

मार्ग प्रकाश व्यवस्था के लिए 120, 90 और 60 वाट की कुल 2,000 एलईडी लाइटें खरीदी जाएंगी। इन्हें प्रमुख सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाने की योजना है। वहीं नगर के डिवाइडरों पर लगे विद्युत पोलों पर एलईडी तिरंगा लाइट लगाने का प्रस्ताव भी मंजूर हुआ।

सीवरेज और जल निकासी मद के तहत पुराने नालों और नालियों के स्थान पर नए नाले बनाए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था को बेहतर करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में अधिशासी अधिकारी राजमणि वर्मा, कर अधीक्षक ओंकार तिवारी, अवर अभियंता जलकल शैलेंद्र सिंह, सिविल अभियंता मालविका सिंह, लिपिक अनूप सहित सभासद मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने जताया गुरुजनों के प्रति सम्मान

चौहान की बस्ती उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुआ कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती, भियांव में शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्हें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के बारे में जानकारी दी गई।

शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षा के महत्व और शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों पर भी चर्चा हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राज बहादुर मिश्रा के साथ शिक्षक प्रदीप कुमार मौर्य, राजकरन प्रजापति और अरशद कमाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस के महत्व से परिचित कराने और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

रबी बीज के लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू गेहूं में अब तक 1830 क्विंटल बुकिंग

तोरिया से गेहूं तक प्रमाणित बीज अनुदान पर मिलेंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रबी सीजन 2026-27 के लिए अनुदान पर प्रमाणित बीज लेने की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। किसान तोरिया, सरसों, चना, मटर, मसूर और गेहूं समेत विभिन्न रबी फसलों के बीज के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निशुल्क मिनीकिट के लिए भी बुकिंग की व्यवस्था है। बुकिंग दो जुलाई से शुरू हुई है और 30 सितंबर तक चलेगी।

जिला कृषि अधिकारी अरविंद्र कुमार चौधरी के अनुसार किसान विभागीय वेबसाइट के माध्यम से बीज की ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। जिले में गेहूं बीज का लक्ष्य 13,936 क्विंटल रखा गया है। इसके मुकाबले अब तक 1,830 क्विंटल की बुकिंग हो चुकी है। चना का लक्ष्य 306 क्विंटल है, जिसमें 29.60 क्विंटल की बुकिंग हुई है। मटर में 143 के मुकाबले 23 क्विंटल और मसूर में 22.96 के मुकाबले 2.48 क्विंटल की बुकिंग हुई है। सरसों के 24 क्विंटल लक्ष्य के सापेक्ष 0.53 क्विंटल और तोरिया के 2.40 क्विंटल लक्ष्य के मुकाबले 0.30 क्विंटल बीज की बुकिंग हुई है। निशुल्क मिनीकिट के लिए भी किसानों ने बुकिंग कराई है। सरसों के 6,450 पैकेट के लक्ष्य के मुकाबले 1,038 की बुकिंग हुई है। चना के 800 के मुकाबले 410 और चना (केंद्र) के 272 के मुकाबले 364 पैकेट बुक हुए हैं। मसूर के 50 के मुकाबले 171 और मसूर (केंद्र) के 50 के मुकाबले 132 पैकेट की बुकिंग हुई है। मटर के 250 के मुकाबले 312 और तोरिया के 250 के मुकाबले 310 पैकेट की बुकिंग दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित, विकास भवन में शिक्षकों ने देखा राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण

नसीरपुर के शिक्षक राम मिलन को राज्य अध्यापक पुरस्कार

सम्मान

बृजेंद्र वीर सिंह

> राज्य स्तरीय समारोह का शनिवार को विकास भवन सभागार में सीधा प्रसारण किया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और शिक्षकों ने समारोह का प्रसारण देखा। राम मिलन गुप्ता को राज्य अध्यापक पुरस्कार दिए जाने का क्षण जिले के कार्यक्रम में भी प्रमुख रहा।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। शिक्षक दिवस पर अंबेडकरनगर के शिक्षक राम मिलन गुप्ता को राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जहांगीरगंज विकासखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय नसीरपुर में तैनात राम मिलन गुप्ता को गोरखपुर में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कार प्रदान किया।

इसके बाद विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह हुआ। इसमें कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधू वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ सिंह और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा मौजूद रहीं। बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी भाग लिया। समारोह में विद्यालयों में नवाचार के माध्यम से पढ़ाई को रोचक बनाने और छात्र नामांकन बढ़ाने में भूमिका निभाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्रम प्रदान किया गया। कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा ने शिक्षकों की भूमिका पर विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने अतिथियों और शिक्षकों का आभार जताया।

राज्य स्तरीय मंच पर जिले का प्रतिनिधित्व

जहांगीरगंज के उच्च प्राथमिक विद्यालय नसीरपुर के शिक्षक राम मिलन गुप्ता को राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने से जिले के शिक्षक समुदाय की उपलब्धि सामने आई। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया।

भूपेंद्र वीर सिंह के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक

उसरहवा में लगा रहा मिलने वालों का सिलसिला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र वीर सिंह के निधन पर शनिवार को अकबरपुर के उसरहवा स्थित प्रेस क्लब उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के आवास पर श्रद्धांजलि देने वालों का सिलसिला लगा रहा। पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने पहुंचकर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ काम कर चुके लोगों ने पुरानी यादें साझा कीं और उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए बड़ी क्षति बताया।

भाजपा अयोध्या जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी और जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर उर्फ साधू वर्मा ने आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकार अरविंद मिश्रा, अमित पांडेय और रवि द्विवेदी समेत कई पत्रकार भी पहुंचे। सभी ने भूपेंद्र

वीर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

श्रद्धांजलि देने पहुंचे पत्रकारों ने भूपेंद्र वीर सिंह के साथ अपने जुड़ाव और पत्रकारिता के दौरान की यादों को साझा किया। साथियों के मुताबिक, लंबे समय तक पत्रकारिता से जुड़े रहने के कारण स्थानीय पत्रकारिता में उनका अनुभव महत्वपूर्ण रहा। उनके सहज व्यवहार और साथियों के साथ संवाद को भी लोगों ने याद किया।

लोगों ने कहा कि भूपेंद्र वीर सिंह का निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक बड़ी क्षति है।

बैठक : जल निकासी, पेयजल और सड़क-पथ प्रकाश व्यवस्था की हुई समीक्षा

वार्डवार समस्याओं की खुली फाइल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगरीय क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में वार्डवार समस्याओं, विकास कार्यों की प्रगति और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतवार चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली गई। सफाई व्यवस्था, जल निकासी, पेयजल, सड़क और प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य जनसुविधाओं की स्थिति पर जनप्रतिनिधियों से

जानकारी ली गई। नगर निकायों के अध्यक्षों और सभासदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं और विकास संबंधी जरूरतें जिलाधिकारी के सामने रखीं। जिलाधिकारी ने वार्डवार समस्याओं और सुझावों को सुना। संबंधित अधिशासी अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर स्थानीय समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में लापरवाही नहीं बरतने को कहा। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थनिगईय-रसन टी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अध्यक्ष, सभासद तथा अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

सफाई और जल निकासी पर विशेष जोर

जिलाधिकारी ने सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख मार्गों की नियमित सफाई कराने को कहा। नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ जल निकासी से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि जनसामान्य को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। लंबित विकास कार्यों को समयसीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कार्यों की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने को भी कहा।

पटाखों के भंडारण की खुली जांच लाइसेंस से लेकर स्टॉक तक खंगाला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आतिशबाजी के अवैध भंडारण और अग्नि-विस्फोट के संभावित जोखिम को देखते हुए जिले में लाइसेंसधारकों की दुकानों और गोदामों का संयुक्त निरीक्षण कराया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिला मजिस्ट्रेट और पुलिस क्षेत्राधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में आतिशबाजी प्रतिष्ठानों की जांच में शामिल हुए।

निरीक्षण के दौरान लाइसेंस की वैधता और उसमें दर्ज निर्धारित स्थल की जांच की गई। अधिकारियों ने लाइसेंस में स्वीकृत मात्रा के अनुसार आतिशबाजी के भंडारण और मौके पर उपलब्ध स्टॉक का मिलान किया। इसके साथ ही दुकानों और गोदामों में निर्धारित सुरक्षा इंतजाम भी देखे गए।

अधिकारियों ने यह भी जांचा कि लाइसेंसधारक निर्धारित शर्तों और विस्फोटक संबंधी प्रचलित नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। भंडारण स्थल और बिक्री व्यवस्था की भी पड़ताल की गई।

> एसडीएम और सीओ की संयुक्त टीमों ने दुकानों-गोदामों में परखे सुरक्षा इंतजाम, अनियमितता मिलने पर कार्रवाई के निर्देश

निरीक्षण में लाइसेंस में स्वीकृत मात्रा से अधिक आतिशबाजी मिलने, निर्धारित स्थल के अलावा कहीं और भंडारण किए जाने या अनधिकृत भंडारण और बिक्री की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिलने पर भी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सम्पादकीय

इसरो का नया अध्याय

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा द्वीप पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने सफलता का एक नया अध्याय लिखा। यह देश के पहले इमेजिंग सैटेलाइट के लांच के रूप में सामने आया। यह एक अत्याधुनिक अर्थ इमेजिंग सैटेलाइट है। यह देश को रियल टाइम निगरानी और रणनीतिक डाटा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह सैटेलाइट भारत को ऐसी क्षमता से लैस करेगा, जिसकी आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यह सैटेलाइट किसी क्षेत्र पर लगातार नजर रखने की क्षमता से लैस है।

पृथ्वी से हजारों किमी ऊपर से यह सैटेलाइट भारतीय उपमहाद्वीप के साथ-साथ आसपास के सागरों और रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगाह रख सकेगा। यह बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवातों, जंगलों की आग, पर्यावरणीय बदलावों की निगरानी में भी सहायक होगा। इसीलिए इसे अंतरिक्ष में भारत की आंख कहा जा रहा है। इसकी महत्ता का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि इसके प्रक्षेपण के समय नौसेना और वायुसेना के अधिकारी श्रीहरिकोटा में मौजूद थे। स्पष्ट है कि इस सैटेलाइट का उपयोग केवल नागरिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में भी मदद करेगा।

इसरो की नवीनतम सफलता अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। अंतरिक्ष में भारत की एक और छलांग का महत्व इससे बढ़ जाता है, क्योंकि कुछ समय से इसरो का भरोसेमंद राकेट पीएसएलवी लगातार नाकाम हो रहा था। इसके चलते इसरों की सैटेलाइट लांचिंग क्षमता को लेकर सवाल उठने लगे थे। यह अच्छा हुआ कि इसरो के विज्ञानियों ने इन सवालों का जवाब शानदार तरीके से दिया।

इस सफल मिशन ने भारत की अंतरिक्ष एजेंसी को एक नई ऊर्जा प्रदान की है। इसके बाद भी यह ध्यान रहे कि इसरो को अभी कई चुनौतियों का सामना करना है। इनमें कई सैटेलाइट की लांचिंग के साथ गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन भी है। गगनयान का पहला मानव रहित मिशन इसी वर्ष के अंत तक प्रस्तावित है। चूंकि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है, इसलिए इसरो के सामने एक अन्य चुनौती कुशल मानव संसाधन को बनाए रखने की भी है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इसरो बजट और संसाधनों की कमी के चलते प्रतिभाओं के अभाव का सामना न करने पाए, क्योंकि यदि ऐसा होता है तो महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्यों पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए कि इसरो के भावी मिशन तय समय में पूरे हों। इस अंतरिक्ष एजेंसी के लिए यह भी आवश्यक है कि वह हर मामले में आत्मनिर्भर बने और अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करती रहे, क्योंकि आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा बढ़ने वाली है।

उत्तर प्रदेश 2027: : चुनावी बिसात और बदलते समीकरण

> इस राजनीतिक उठापटक और नए समीकरणों के निर्माण के बीच हाल ही में लखनऊ से एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक खबर सामने आई, जिसने राज्य के सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति को भारतीय लोकतंत्र का हृदयस्थल माना जाता है। दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ के गलियारों से होकर गुजरता है, यही कारण है कि देश के इस सबसे बड़े सूबे में होने वाली हर छोटी-बड़ी राजनीतिक हलचल का असर राष्ट्रीय फलक पर साफ दिखाई देता है। वर्ष 2026 की समाप्ति के करीब आते ही और 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल पूरी तरह से शुरू हो चुका है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने सूबे की राजनीतिक जमीन को जो नई शक्ल दी थी, उसके बाद हर दल अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटा है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज होकर इतिहास रचने की कवायद में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी अपने 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के सहारे दस साल के सत्ता के वनवास को खत्म करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इस बार का चुनाव केवल पारंपरिक नारों या वादों पर आधारित नहीं रहने वाला, बल्कि यह जमीन पर रची जा रही नई सामाजिक और गठबंधन राजनीति की प्रयोगशाला बनने जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच लखनऊ में लगभग 90 मिनट यानी डेढ़ घंटे तक चली बंद कमरे की मैराथन मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस मुलाकात के मायने केवल एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह 2027 के महासमर से पहले उत्तर प्रदेश की युवा और छात्र राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। आशुतोष रांका और अखिलेश यादव के बीच हुई इस चर्चा के केंद्र में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के नौजवानों के मुद्दे, लगातार होती परीक्षाओं के पेपर लीक, बेरोजगारी, छात्रों की समस्याएं और उच्च शिक्षा में आ रही गिरावट जैसे विषय शामिल रहे।

पार्टी के भीतर और बाहर इस मुलाकात को 'प्लान 2027' के एक अहम हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया और बेहद जागरूक मतदाता वर्ग तैयार हो चुका है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक 'जेन-जी' या पहली बार मतदान करने वाले युवा कहते हैं। यह युवा वर्ग पारंपरिक जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार, निष्पक्ष परीक्षाओं और आधुनिक अवसरों की मांग कर रहा है। अखिलेश यादव बखूबी जानते हैं कि केवल पारंपरिक मुस्लिम-यादव समीकरण या केवल सामान्य गठबंधनों के बूते भाजपा जैसी विशाल और साधन-संपन्न चुनावी मशीनरी को मात देना असंभव है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा अब छोटे-छोटे वैचारिक समूहों, छात्र संगठनों और युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरों को अपने पाले में लाकर भाजपा के उस युवा वोट बैंक में सेंध लगाना चाहती है, जो कभी भगवा दल की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। रांका और अखिलेश यादव की यह मुलाकात इस बात की तस्दीक करती है कि विपक्ष इस बार युवाओं के आक्रोश को एक ठोस राजनीतिक वोट बैंक में बदलने की मुकम्मल तैयारी कर चुका है।

हालांकि, इस मुलाकात पर भाजपा ने भी फौरन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि विपक्ष के पास कोई ठोस नीति या विकास का एजेंडा नहीं है, इसलिए वह केवल भ्रम फैलाने और छोटे-छोटे संगठनों के सहारे अपनी डूबती नैया बचाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन राजनीति के जानकार इसे अलग नजरिए से देखते हैं। उनका मानना है कि उत्तर प्रदेश में जब भी कोई बड़ा सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसके मूल में युवाओं और छात्रों का आंदोलन या उनका असंतोष ही रहा है। ऐसे में सीजेपी जैसी युवा केंद्रित ताकतों और सपा का करीब आना भविष्य के एक नए और बड़े सामाजिक-राजनैतिक मोर्चे की बुनियाद रख सकता है।

यदि हम उत्तर प्रदेश की समूची राजनैतिक बिसात पर नजर डालें, तो इस समय सबसे बड़ा टकराव नैरेटिव यानी विमर्श गढ़ने को लेकर चल रहा है। समाजवादी पार्टी ने इस बार 'आरक्षण' और 'संविधान' को अपनी राजनीति के केंद्र में रख दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष को 'संविधान बचाओ' के नारे से जो अप्रत्याशित लाभ मिला था, अखिलेश यादव उसे 2027 तक कायम रखना चाहते हैं। हालिया महीनों में उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की स्थिति, 69000 शिक्षक भर्ती का विवाद और पिछड़े-दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व को लेकर सपा ने एक आक्रामक रुख अख्तियार किया है। अखिलेश यादव लगातार जनसभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि वर्तमान सत्ताधारी दल दलितों और पिछड़ों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश रच रहा है। इस नैरेटिव के जरिए सपा सीधे तौर पर भाजपा के गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित वोट बैंक पर निशाना साध रही है, जिसने पिछले एक दशक से भाजपा की जीत में रीढ़ की हड्डी का काम किया है। सपा की इस रणनीति के जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी खामोश नहीं बैठी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी संगठन मशीनरी को पूरी तरह से चुनावी मोड में डाल दिया है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का ढांचा माना जाता है। पार्टी ने इस बार कागजी दावों को खारिज करते हुए हर एक बूथ कमेटी का भौतिक सत्यापन शुरू किया है। खासकर उन बूथों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जहां पिछले चुनाव में विपक्ष को बढ़त मिली थी। इसके साथ ही, भाजपा सरकार अपनी कानून-व्यवस्था की सख्त छवि, बुनियादी ढांचे का विकास (जैसे एक्सप्रेसवे और औद्योगिक गलियारे) और केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के एक बड़े नेटवर्क के भरोसे मैदान में उतर रही है। भाजपा का मानना है कि विकास और सुशासन का उनका यह 'डबल इंजन' मॉडल विपक्ष के जातिगत ध्रुवीकरण के प्रयासों को विफल कर देगा। लेकिन इस बार एनडीए गठबंधन के भीतर की आंतरिक खींचतान भी पूरी तरह सतह पर आ चुकी है। गठबंधन में शामिल छोटे दल जैसे निषाद पार्टी के डॉ. संजय निषाद, अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल और सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने और सीटों के सम्मानजनक बंटवारे के लिए भाजपा पर लगातार दबाव बना रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के भावुक होने और आंसुओं के छलकने की घटना ने उत्तर प्रदेश की सियासत में भारी उबाल ला दिया था।

अशोक भाटिया

‘मैं राजनीति हूं! नाजायज कुछ नहीं, सब कुछ जायज’

मैं राजनीति हूं...! राज को नीति से करना मेरी परिभाषा है और नीति निर्धारण ही मेरी अभिलाषा, पर अनीति की बढ़ती संलिप्तता मेरा राजफाश ही नहीं करती, बल्कि चीरहरण तक करने लगी है। यह मुझे खूब खलता है पर इस फसाद की जड़ भी शायद में ही हूं।

मेरी ऐसी धूमिल छवि कभी नहीं थी, जैसी सबको अब नजर आती है। मेरा भी ईमान था और आज भी है पर अब तो गिरगिट की मानिंद रंग बदलना जैसे मेरा स्वभाव सा हो गया है।

मुझमें नामुराद को भी फर्श से अर्श तक पहुंचाने का माद्दा है तो अर्श से फर्श पर लाने की कुब्बत भी। मेरी इसी ताकत के चलते बड़े से बड़ा ताकतवर भी झुकने को मजबूर नजर आता है।

मैं मर्यादित ही नहीं, मेरा गरिमामयी व गौरवशाली इतिहास भी रहा, जिसे आज भी गाहे-बगाहे याद किया जाता है पर अब ना जाने किसकी नजर लगी कि मेरे अपने (नेता) अधीर ही नहीं दिखते, बल्कि संयम भी खोते नजर आते हैं। नीति निर्माण की नैतिक जिम्मेदारी इनके ही कंधों पर थी और आज भी है पर अब स्वार्थ की बू ज्यादा आने लगी है।

खुशी तो मुझे तब होती थी, जब मेरे अपने दृढ़ इच्छा शक्ति से नैतिक मूल्यों की स्थापना ही नहीं करते, बल्कि उनकी रक्षा भी करते थे। ऐसा होता तो आज भी है पर अब उनका पतन ज्यादा होता है। नीति और नीयत ठीक होने से ही नेतृत्व भी मेरा साफगोई से करता, लेकिन अब गम यह है कि चालाकी ने उसकी चाल ही नहीं, चरित्र व चेहरा भी बिगाड़ सा दिया है। तभी तो मेरे अपने की भाषा असंसदीय और आचरण अमर्यादित होने लगा है।

राजेश खण्डेलवाल

लोकतंत्र में किसी...

अशोक कुमार झा

सूचना आयोग खुद आम जनता के सवालों के घेरे में

सूचना का अधिकार केवल कागज पर लिखा हुआ कोई कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिक की वह ताकत है जिसके माध्यम से वह शासन-व्यवस्था से सवाल पूछ सकता है, सरकारी निर्णयों की जानकारी मांग सकता है और सार्वजनिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित कर सकता है। इसी उद्देश्य से सूचना आयोग जैसी संवैधानिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन जब जनता के सवालों का अंतिम जवाब तलाशने वाली संस्था स्वयं जनता के सवालों के घेरे में दिखाई देने लगे, तो लोकतंत्र में उस पर चर्चा होना स्वाभाविक ही नहीं, बल्कि जरूरी भी है। झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति और उनके शपथ ग्रहण के बाद आयोग से आम नागरिकों की अपेक्षाएं निश्चित रूप से बढ़ी हैं। लोगों को उम्मीद है कि वर्षों से लंबित दूसरी अपीलों और शिकायतों का निपटारा तेज होगा, सूचना पाने के अधिकार को वास्तविक अर्थों में मजबूती मिलेगी और सरकारी कार्यालयों में जवाबदेही की संस्कृति और मजबूत होगी। लेकिन इसी के साथ कुछ बुनियादी सवाल भी सामने आते हैं—आखिर आयोग के पास इस समय कितने मामले लंबित हैं? इनमें से कितने मामले पुराने हैं? कितने मामलों में सुनवाई हो चुकी है और कितनों का अंतिम निर्णय दिया जा चुका है? नई व्यवस्था के बाद मामलों के निस्तारण की गति क्या रही है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल—क्या इन आंकड़ों की जानकारी आम जनता को आसानी से उपलब्ध है?

लोकतंत्र में किसी संस्था से सवाल पूछना उस संस्था का विरोध करना नहीं होता। बल्कि सवाल पूछना यह सुनिश्चित करने का माध्यम है कि संस्थाएं अपने उद्देश्य के अनुरूप काम कर रही हैं या नहीं। यदि सूचना आयोग स्वयं पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रहरी है, तो क्या उसके कामकाज से संबंधित आंकड़े भी सार्वजनिक नहीं होने चाहिए? क्या नागरिकों को यह जानने का अधिकार नहीं होना चाहिए कि आयोग के समक्ष कितनी अपीलें और शिकायतें पहुंचीं, कितनों पर सुनवाई हुई, कितनों का निस्तारण हुआ और कितने मामले अभी भी लंबित हैं? यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि किसी मामले के लंबित रहने की अधिकतम व्यावहारिक सीमा क्या होनी चाहिए। जिस नागरिक ने किसी सरकारी विभाग से सूचना पाने के लिए पहले आवेदन किया, फिर प्रथम अपील की और अंततः सूचना आयोग का दरवाजा खटखटाया, उसके लिए न्याय का अर्थ केवल यह नहीं कि उसकी अपील आयोग तक पहुंच गई। न्याय का वास्तविक अर्थ तब होगा, जब उसे निर्धारित प्रक्रिया के भीतर प्रभावी सुनवाई और निर्णय प्राप्त हो। यदि किसी नागरिक को सूचना पाने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़े, तो क्या सूचना का अधिकार अपनी मूल भावना को पूरा कर पाएगा?

यहां सवाल केवल लंबित मामलों की संख्या का नहीं है, बल्कि समय पर न्याय और सूचना मिलने के अधिकार का भी है। आखिर ऐसा कोई सार्वजनिक डैशबोर्ड क्यों न हो, जहां नागरिक देख सकें कि आयोग के पास कितने मामले लंबित हैं, किस वर्ष के कितने मामले हैं, कितनों में सुनवाई निर्धारित है और कितनों का निस्तारण हो चुका है? क्या आयोग अपनी मासिक या त्रैमासिक कार्यप्रगति रिपोर्ट सार्वजनिक कर सकता है? क्या प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अवसर नहीं मिलना चाहिए कि जिस संस्था से वह पारदर्शिता की उम्मीद कर रहा है, उसकी अपनी कार्यप्रणाली कितनी पारदर्शी है? एक और महत्वपूर्ण प्रश्न सार्वजनिक धन से जुड़ा है। सूचना आयोग में नियुक्त पदाधिकारियों के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएं अंततः सरकारी बजट से आती हैं। यदि किसी पदाधिकारी को वेतन और सुविधाएं सार्वजनिक धन से मिलती हैं, तो उस पद से जुड़ी संस्थागत जिम्मेदारियों और कार्यप्रगति की जानकारी भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा क्यों न बने? यहां उद्देश्य किसी व्यक्ति के वेतन या सुविधा पर सवाल उठाना नहीं, बल्कि यह समझना है कि सार्वजनिक धन के बदले सार्वजनिक संस्थाओं से किस स्तर की जवाबदेही अपेक्षित है।

यदि आयोग पर होने वाला सरकारी व्यय पूरी तरह नियमों और निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप है, तो उसके संबंध में स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक करने में किसी प्रकार की असहजता क्यों होनी चाहिए? आखिर पारदर्शिता का सबसे मजबूत आधार यही है कि आंकड़े सामने हों और जनता स्वयं उनका मूल्यांकन करे।

इस संरचनात्मक...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद आजमगढ़ में उद्यमशीलता का नवोन्मेष

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से सशक्त होती आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में वर्तमान समय में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (डैडम्) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। राज्य के समग्र विकास की प्राथमिकताओं के केंद्र में अब केवल बड़े औद्योगिक निवेश ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर जमीनी उद्यमशीलता का सुदृढ़ीकरण भी है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ‘मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान’ राज्य की ऊर्जावान युवा जनशक्ति को आजीविका की तलाश करने वाले वर्ग से आगे बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों के सूत्रधार और रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित कर रहा है। जनपद आजमगढ़ में इस योजना का प्रभाव केवल वित्तीय सहायता के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण व अर्ध-शहरी युवाओं में व्यावसायिक आत्मविश्वास, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित कर रहा है। स्थानीय स्तर पर उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से योजना के तहत एक सुगम, पारदर्शी और व्यावहारिक वित्तीय व्यवस्था को तैयार किया गया है। योजना के प्रावधानों के अनुसार 21 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण शिक्षित युवाओं को विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, फ्रेंचाइजी तथा ‘बिजनेस ऑन व्हील्स’ जैसे क्षेत्रों में नवीन सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करने हेतु संस्थागत वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 5 लाख रुपये तक की सूक्ष्म परियोजनाओं के लिए बिना किसी गारंटी (सी.जी.टी.एम.एस.ई कवर्ड) के शत-प्रतिशत ब्याज उपादान (चार वर्षों तक ब्याज-मुक्त ऋण) तथा परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा दी गई है। यह नीतिगत संरक्षण उन युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है, जिनके पास कार्यकुशलता और विचार तो हैं, परंतु पूंजी और जमानत के अभाव में वे अपना व्यवसाय आरंभ करने में असमर्थ थे।

जनपद आजमगढ़ में जिला प्रशासन, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र तथा अग्रणी बैंकों के निरंतर समन्वय से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद में अब तक लगभग 6,500 युवाओं के ऋण प्रस्ताव स्वीकृत कर उन्हें वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक पहलू यह है कि इसने रोजगार के अभाव में मजबूरी वश महानगरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। स्थानीय स्तर पर अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिलने से युवा अब अपने गृह क्षेत्र में ही रहकर अपनी आजीविका का स्थायी मार्ग चुन रहे हैं।

इस संरचनात्मक बदलाव का एक प्रामाणिक और प्रेरक उदाहरण जनपद आजमगढ़ के बधाईगंज क्षेत्र में देखने को मिलता है। स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले स्थानीय युवा हरेन्द्र यादव को सीमित आर्थिक परिस्थितियों के कारण आजीविका की खोज में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का रुख करना पड़ा था।

जरा हटके

आज दुनिया तेजी ...

आशिया खातून,

प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को दी जायेगी नवीन तकनीकी शिक्षा

शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। डिजिटल तकनीक आज केवल सुविधा नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार भी अपने विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उनकी प्रतिभा, जिज्ञासा और सीखने की क्षमता को नई दिशा देना है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश के समाज कल्याण विभाग ने थ्प्त्ंैज् व्प्ळप्छ छमगजळमद म्कनजमबी च्अज. स्जकण् के सहयोग से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट शिक्षा की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। करीब 35 करोड़ रुपये की ब्ैत् परियोजना के तहत शुरू की गई इस पहल के प्रथम चरण में पांच जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में एक-एक स्मार्ट क्लासरूम तैयार किया गया है। यह पहल केवल कक्षाओं को आधुनिक उपकरणों से लैस करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की व्यापक सोच है। उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 103 सर्वोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें बेहतर अवसरों की आवश्यकता है। स्मार्ट क्लासरूम परियोजना के प्रथम चरण के लिए पांच विद्यालयों का चयन किया गया है। इनमें निडोरी (गाजियाबाद), बदनौरा (बुलंदशहर), हस्तिनापुर (मेरठ), बरेली और पीलीभीत के सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में तैयार किए गए स्मार्ट क्लासरूम विद्यार्थियों को कक्षा में विषयों को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से समझने का अवसर देंगे। अब कठिन लगने वाले विषयों को डिजिटल सामग्री, दृश्य प्रस्तुति और आधुनिक शिक्षण तकनीकों के माध्यम से सरल तरीके से समझाया जा सकेगा। स्मार्ट क्लासरूम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पढ़ाई केवल किताब और ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस इन कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड और स्मार्ट पैनल लगाए गए हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दो एयर कंडीशनर और वुडेन फ्लोरिंग की व्यवस्था भी की गई है। स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल पैनल के माध्यम से शिक्षक विषय से संबंधित चित्र, वीडियो, ग्राफिक्स और अन्य डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को विषयों को देखने, समझने और उनके साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा। उदाहरण के लिए विज्ञान के किसी जटिल विषय को केवल पुस्तक में पढ़ने के बजाय उसके चित्रात्मक और डिजिटल प्रदर्शन के माध्यम से समझाया जा सकता है। भूगोल के विषयों को नक्शों और दृश्य सामग्री के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। गणित जैसे विषयों में भी डिजिटल उदाहरण और इंटरैक्टिव सामग्री विद्यार्थियों की समझ को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है। स्मार्ट क्लासरूम केवल पढ़ाई का तरीका बदलने की पहल नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने का प्रयास है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े तथा भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए स्वयं को तैयार करें। आज का विद्यार्थी आने वाले समय में जिस दुनिया में प्रवेश करेगा, वहां डिजिटल ज्ञान और तकनीकी दक्षता का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों को तकनीक के साथ सहज बनाना जरूरी है। प्रदेश सरकार की यह पहल इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा किसी एक वर्ग, क्षेत्र या सुविधा तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी विद्यार्थी में सीखने की क्षमता और आगे बढ़ने का जज्बा है तो उसे आधुनिक संसाधनों तक पहुंच मिलनी चाहिए। स्मार्ट क्लासरूम इसी सोच को मजबूत करने का माध्यम बनेंगे। इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग भी है। थ्प्त्ंैज् व्प्ळप्छ छमगजळमद म्कनजमबी च्अजण् स्जकण् के सहयोग से ब्ैत् के माध्यम से शुरू की गई यह परियोजना शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को सामाजिक और कॉरपोरेट भागीदारी से नई गति दी जा रही है। करीब 35 करोड़ रुपये की ब्ैत् परियोजना के माध्यम से स्मार्ट शिक्षा के विस्तार का लक्ष्य यह भी है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की साझा जिम्मेदारी भी है। यदि ऐसे प्रयास निरंतर आगे बढ़ते हैं तो सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी वे आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं मिल सकती हैं, जो अक्सर निजी संस्थानों की पहचान मानी जाती रही हैं।

आज दुनिया तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार की ओर बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल कम्युनिकेशन, ऑनलाइन लर्निंग और नई तकनीकों ने रोजगार तथा शिक्षा की परिभाषा को बदल दिया है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें बदलती दुनिया के लिए तैयार करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उत्तर प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक कदम है। यह पहल विद्यार्थियों को तकनीक से जोड़ने के साथ उनके भीतर सीखने की नई संभावनाओं को जन्म देगी। पहले चरण में पांच विद्यालयों से शुरू हुआ यह प्रयोग आने वाले समय में प्रदेश के अन्य सर्वोदय विद्यालयों तक विस्तार ले सकता है। दूसरे चरण में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार की योजना इस दिशा में आगे की संभावनाओं को स्पष्ट करती है।

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किये गये स्मार्ट क्लासरूम का यह सफर स्मार्ट शिक्षा, डिजिटल सशक्तीकरण और स्मार्ट भविष्य की ओर बढ़ता हुआ कदम है। आज इन कक्षाओं में विद्यार्थी नई तकनीक के साथ सीखेंगे, कल यही विद्यार्थी तकनीक का इस्तेमाल कर अपने सपनों को नई उड़ान देंगे।

भाजपा के यूपी प्रभारी बनने के बाद पहली बार लखनऊ पहुंचे, योगी से करेंगे मुलाकात

अखिलेश का पीडीए यानी पराया धन अपना : विनोद

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भाजपा के यूपी प्रभारी विनोद तावड़े ने शनिवार को कहा- हम अखिलेश यादव के PDA को नाकाम करेंगे। उनके पीडीए का मतलब 'पराया धन अपना' है। यूपी की जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार लखनऊ पहुंचे तावड़े ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा विश्व का सबसे बड़ा दल बनी है। सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी में विकास की रफ्तार तेज हो गई है।

उन्होंने आगे कहा भाजपा और एनडीए का हर कार्यकर्ता आने वाला विधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ेगा और जीतेगा। इसके बाद अगले 5 साल यूपी की जनता की सेवा में समर्पित रहेंगे। इससे पहले, लखनऊ एयरपोर्ट पर विनोद तावड़े का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी के अलावा प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय और प्रदेश कार्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला मौजूद रहे।

भाजपा के यूपी प्रभारी विनोद तावड़े का लखनऊ एयरपोर्ट पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने स्वागत किया।

बंद कमरे में समीक्षा बैठक करेंगे, सीएम-डिप्टी सीएम से भी मिलेंगे

दो दिन के यूपी दौरे पर आए विनोद तावड़े संगठन को मजबूती देने और आगामी चुनाव की रणनीति को धार देने के लिए बैठकों का दौर शुरू करेंगे। सबसे पहले वे पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के साथ बंद कमरे में समीक्षा बैठक करेंगे।

इसके बाद वे भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठनात्मक कार्यों, अभियानों और भावी कार्य योजनाओं का फीडबैक लेंगे। फिर CM योगी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ कोर कमेटी की बैठक करेंगे। इसमें मौजूदा सियासी माहौल, सरकार और संगठन के तालमेल तथा आगामी चुनावी रणनीति पर मंथन किया जाएगा।

यूपी में अगले साल विधानसभा चुनाव

403 विधानसभा सीटों वाले यूपी में अगले साल फरवरी-मार्च में चुनाव होने की संभावना है। 2024 के लोकसभा चुनाव में BJP को राज्य में झटका लगा था। समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, जबकि BJP 33 सीटों पर रह गई थी। ऐसे में 2027 का चुनाव BJP के लिए राज्य में सत्ता बरकरार रखने के साथ 2024 के लोकसभा प्रदर्शन के बाद अपनी पकड़ मजबूत करने की बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

विनोद तावड़े, यूपी प्रभारी

2014 में विधायक चुने गए, 2020 में बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव बने

विनोद तावड़े मूलरुप से मुंबई के रहने वाले हैं। महाराष्ट्र में लंबे समय तक पार्टी संगठन में सक्रिय रहे। वे महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। 2026 में उन्हें केरल विधानसभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया था।

उनकी राजनीति अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) से शुरू हुई। 2014 में तावड़े पहली बार महाराष्ट्र की बोरीवली सीट से विधायक चुने गए। 26 सितंबर 2020 को BJP ने उन्हें राष्ट्रीय सचिव बनाया। इसके साथ ही उनकी भूमिका महाराष्ट्र से निकलकर राष्ट्रीय संगठन में पहुंच गई।

5500 करोड़ के चंदे पर संजय सिंह ने उठाए सवाल

बोले- 6 दलों ने सिर्फ 15 उम्मीदवार उतारे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को लखनऊ में प्रेस वार्ता कर भारतीय जनता पार्टी पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने गुजरात की छह राजनीतिक पार्टियों को लेकर 5500 करोड़ रुपये के चंदे का दावा किया और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए। इसके अलावा उन्होंने सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने, राम मंदिर ट्रस्ट में नियुक्तियों और 68,500 शिक्षक भर्ती में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को भी उठाया।

संजय सिंह ने दावा किया कि वर्ष 2023-24 में गुजरात में पंजीकृत छह राजनीतिक दलों को कुल करीब 5500 करोड़ रुपये का चंदा मिला। उन्होंने इन दलों के नाम आम जनमत पार्टी, सत्यवादी रक्षक पार्टी, स्वतंत्रता अभिव्यक्ति पार्टी, न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी, भारतीय नेशनल जनता दल और गरीब कल्याण पार्टी बताए।

AAP सांसद का कहना था कि इन छह दलों ने कुल मिलाकर सिर्फ 15 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे, इसके बावजूद उन्हें इतनी बड़ी रकम चंदे के रूप में मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां भाजपा की 'डमी पार्टियां' हैं और इनके जरिए काले धन को सफेद करने का खेल चल रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में जन्माष्टमी उत्सव आयोजित

लखनऊ। लखनऊ के सरोजिनी नगर क्षेत्र में पराग रोड, विश्वनाथ एकेडमी के निकट स्थित राइजिंग डांस एकेडमी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार फूलों की होली खेलकर मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने श्री कृष्ण भगवान और श्री राधा रानी का श्रृंगार किया और पूजा अर्चना की। भक्तजनों ने इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या में हिस्सा लिया और जमकर झूमे।

लखनऊ में नाले में गिरे 3 बच्चे, 1 की मौत

लखनऊ। चिनहट की अशरफ विहार कॉलोनी में खेलते समय तीन बच्चे नाले में गिर गए। इसमें से दो बच्चे थोड़े बड़े थे जो निकलकर बाहर आ गए, लेकिन तीसरा 5 साल का बच्चा डूब गया। सुरक्षित बचे लड़कों ने घर जाकर घटना की सूचना दी। इसके बाद लोग वहां पहुंचे तो छोटा बच्चा डूब चुका था।

लोगों ने बच्चे को बाहर निकाला। उसकी सांसें थम चुकी थीं। उसे चिनहट सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद लोहिया संस्थान की मोर्चरी में ले जाया गया, जहां पंचनामा कराया जा रहा है।

झाड़-फूंक से बीमारी ठीक करने का झांसा देकर ठगी

लखनऊ। लखनऊ के मौलवीगंज इलाके में दो अज्ञात युवकों ने बीमारी ठीक करने का झांसा देकर एक व्यक्ति से ठगी कर ली। आरोपियों ने पीड़ित को बातों में उलझाकर उसका मोबाइल और घड़ी उतरवा ली। इसके बाद मोबाइल के जरिए 14,500 रुपए भी दूसरे व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित ने अमीनाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

हेनीमैन चौराहे पर धंसी सड़क, गड्ढे को पत्ते से ढका

मानसून में सामान्य से 12% अधिक बरसा पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार देर रात रिमझिम बारिश हुई। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने दिन में भी बारिश के आसार जताए हैं। विभाग के मुताबिक, 6 सितंबर से राजधानी में एक बार फिर बारिश का दौर तेज हो सकता है। वहीं, हेनीमैन चौराहे पर मुख्य सड़क धंस गई। सड़क धंसने के बाद गड्ढे को पत्ते से ढक दिया गया।

शुक्रवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक था। हवा में नमी का स्तर भी अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 92 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 74 फीसदी दर्ज की गई।

लखनऊ में 3 सितंबर से 4 सितंबर सुबह साढ़े आठ बजे तक 10.8 मिलीमीटर बारिश हुई। जबकि सामान्य बारिश का औसत 4.6 मिलीमीटर है। यह सामान्य से 134 फीसदी अधिक रहा। मानसून के दौरान 1 जून से लेकर 4 सितंबर तक कुल 608.9 मिलीमीटर बारिश हुई। जबकि सामान्य बारिश का औसत 543.9 मिलीमीटर रहा है। यह सामान्य से 12 फीसदी अधिक रहा। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

प्रदेश में डाटा सेंटर परियोजनाओं के लिए उत्तर प्रदेश ने पेश किए निवेश के अवसर

योगी सरकार ने ताइवान की टेक कंपनियों को दिया निवेश का न्योता

ताइपे में आयोजित 'सेमिकॉन 2026' में सेमीकंडक्टर और उन्नत प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम का किया प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

ताइपे/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत प्रौद्योगिकी के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश ने ताइपे में 2 से 4 सितंबर तक आयोजित 'सेमिकॉन 2026' में प्रमुख ताइवानी टेक कंपनियों के समक्ष राज्य में निवेश की संभावनाओं को प्रस्तुत किया और उन्हें सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स परियोजनाओं में निवेश के लिए आमंत्रित किया। योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों, तैयार औद्योगिक बुनियादी ढांचे, कुशल मानव संसाधन और तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम को ताइवानी कंपनियों के सामने प्रमुख ताकत के रूप में रखा गया। राज्य ने चिप निर्माण, सेंसर, डाटा सेंटर और सप्लाई चेन के स्थानीयकरण आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी और निवेश के अवसरों पर जोर दिया। आलोक कुमार ने उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए राज्य के औद्योगिक बुनियादी ढांचे, प्रगतिशील प्रोत्साहन नीतियों, कुशल कार्यबल और मजबूत टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकसित करने की योजनाओं की जानकारी दी। ताइवानी कंपनियों को सेंसर मॉड्यूल, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, एप्लीकेशन इंजीनियरिंग, परीक्षण और सप्लाई चेन के व्यापक स्थानीयकरण में निवेश के अवसरों से अवगत कराया गया।

ताइवान कंपनियों के समक्ष नीतिगत प्रोत्साहनों, बुनियादी ढांचे और कुशल प्रतिभा को किया प्रस्तुत

प्रमुख ताइवानी कंपनियों से हुई चर्चा

प्रमुख सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी आलोक कुमार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने इंडिया-ताइवान सेमीकंडक्टर फोरम में भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल में इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मनीष मीना शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने क्रिएटिव सेंसर्स इंक के चेयरमैन यूजीन हुआंग और कंपनी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक कर भारत में कंपनी के विस्तार की योजनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा मीडियाटेक, एडीएटीए टेक्नोलॉजी और टीआईबीए बिजनेस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ भी निवेश, संयुक्त उपक्रम और दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर बातचीत हुई।

'बंद स्कूल खुलेगा तो पीडीए पढ़ेगा'

अखिलेश बोले- 26 हजार प्राथमिक विद्यालयों के मुद्दे को लेकर सपा ने चलाया अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

शिक्षक दिवस पर सपा का 'पाठशाला पुकारे' अभियान

अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षा के जरिए लोगों में अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और भेदभाव खत्म करने की दिशा में समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से सौहार्दपूर्ण वातावरण तैयार करने और 'बंधु राष्ट्र' के संकल्प को साकार करने की दिशा में भी कदम बढ़ाया जा सकता है।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शिक्षक दिवस के अवसर पर देशवासियों और प्रदेश के सभी शिक्षकों को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के बंद होने के मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षक दिवस पर समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में बंद किए गए प्राथमिक विद्यालयों के पास 'पाठशाला पुकारे' कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक यह संदेश पहुंचाना है कि "बंद स्कूल खुलेगा, तो पीडीए पढ़ेगा।" अखिलेश यादव ने कहा कि समाज के शोषित, वंचित, गरीब और पीड़ित वर्गों के उत्थान के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। शिक्षा के माध्यम से समाज में सामाजिक और राजनीतिक चेतना तथा जागरूकता पैदा होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही प्रभुत्ववादी सोच और वर्चस्व को चुनौती देकर भेदभाव को समाप्त करने और बराबरी स्थापित करने में सक्षम होगा।

'पाठशाला पुकारे' कार्यक्रम में जुटे सपा कार्यकर्ता

सपा अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक दिवस के अवसर पर पार्टी की ओर से प्रदेश के उन प्राथमिक विद्यालयों के आसपास कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्हें सरकार द्वारा बंद किए जाने का दावा किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में समाजवादी पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

लखनऊ में दुकान का शटर तोड़कर चोरी

लखनऊ। लखनऊ में देर रात चोरों ने किराना दुकान का शटर तोड़कर चोरी कर ली। चोर दुकान से करीब 50 हजार रुपए कीमत के काजू-बादाम और अन्य ड्राई फ्रूट के साथ गल्ले में रखी नकदी भी ले गए। वारदात के बाद आरोपी इलेक्ट्रिक ऑटो से मौके से फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। मामला महानगर थाना क्षेत्र के डंडइया बाजार का है। दुकानदार के मुताबिक, रात में दुकान बंद करने के बाद वह घर चले गए थे। इसी दौरान चोर इलेक्ट्रिक ऑटो से डंडइया बाजार पहुंचे। कुछ देर आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद उन्होंने दुकान का शटर तोड़ दिया और अंदर दाखिल हो गए।

चोरों ने दुकान में रखे सामान को खंगाला। इसके बाद काजू-बादाम समेत करीब 50 हजार रुपए कीमत के ड्राई फ्रूट और अन्य सामान समेट लिया। गल्ले में रखी नकदी भी चोर अपने साथ ले गए। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई।

तेज हवा से पेड़ गिरा, 2 घायल बिजली के खंभे टूटे

सिकंदरबाग से डीजीपी आवास जाने वाला रास्ता जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में तेज हवाओं के चलते शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे वन विभाग मुख्यालय के सामने चौराहे पर बड़ा पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से ब्लिंकिट कर्मचारी और साइकिल सवार घायल हो गए। दोनों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

पेड़ गिरने के साथ आसपास लगे कई बिजली के खंभे भी सड़क पर आ गए। इससे सिकंदरबाग से डीजीपी आवास की तरफ जाने वाले चौराहे के आसपास बिजली आपूर्ति बंद करनी पड़ी। बिजली विभाग की टीम ने सुरक्षा के मद्देनजर इलाके की सप्लाई बंद कर दी। पेड़ सड़क के बीचोंबीच गिरने से दोनों तरफ का यातायात प्रभावित हो गया। सुबह के समय बड़ी संख्या में वाहन गुजर रहे थे, जिससे लोगों को रास्ता पार करने में परेशानी हुई। सड़क पर पेड़ और बिजली के खंभे पड़े होने से कुछ देर तक वाहनों की आवाजाही धीमी रही। हादसे की जानकारी मिलते ही संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने पेड़ को काटकर सड़क से हटाने का काम शुरू किया।

मांग : सरोजनीनगर समाधान दिवस में लगाई गुहार, अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

शहीद का नाराज परिवार लौटाना चाहता है शौर्य चक्र

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में शनिवार को एसडीएम अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान फरियादियों की संख्या कम रही, वहीं ज्यादातर अधिकारी गैरहाजिर थे।

समाधान दिवस में दरोगा खेड़ा की कृष्ण लोक कॉलोनी निवासी 80 साल की सावित्री सक्सेना ने न्याय मांगा। वह शौर्य चक्र विजेता शहीद सहायक कमांडेंट विवेक सक्सेना की मां हैं। उन्होंने सालों से अटके भूमि आवंटन के मामले को लेकर शिकायत की। संजय दिनकर का आरोप है कि कुछ लोग पक्का निर्माण करा रहे हैं, जिससे उनके परिवार को खेत तक आने-जाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज कर धमकी दी कि कहीं भी शिकायत करने पर कुछ नहीं होगा। पीड़ित का कहना है कि इसको लेकर कई बार एसडीएम व तहसीलदार से शिकायत की गई। इसके बाद लेखपाल ने अपनी जांच रिपोर्ट लगाई, लेकिन इसके बावजूद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

समाधान दिवस पर एसडीएम ने लोगों की समस्याएं सुनीं।

2003 में शहीद हुए थे विवेक सक्सेना

सावित्री सक्सेना अपने बड़े बेटे रंजीत सक्सेना के साथ पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे सहायक कमांडेंट विवेक सक्सेना 8 जनवरी 2003 को मणिपुर में आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। उन्हें शौर्य चक्र और राष्ट्रपति पुलिस पदक (वीरता) से सम्मानित किया गया था। इसके बाद शहीद के परिवार को जमीन देने का आदेश हुआ था। बुजुर्ग सावित्री का कहना है कि जमीन आवंटन का सरकारी आदेश होने के बावजूद यह मामला सालों से एक विभाग से दूसरे विभाग के चक्कर काट रहा है। उन्होंने कई बार आईजीआरएस पर शिकायतें भी कीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वह 80 साल की हो चुकी हैं और अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगा सकतीं।

हरिकंश गढ़ी निवासी संजय दिनकर ने भी एक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि कल्ली पूरब गांव में गाटा संख्या 1147 से सटी ऊसर भूमि गाटा संख्या 1146 पर कुछ लोग अवैध निर्माण कर रास्ता रोक रहे हैं। फिलहाल एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों की जांच कर एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

राजधानी में सपा ने लगाई पीडीए पाठशाला, बच्चों को पढ़ाया

अखिलेश की तस्वीर वाली कॉपी-किताबें बांटीं, नेता बोले- बंद स्कूल दोबारा खुलेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

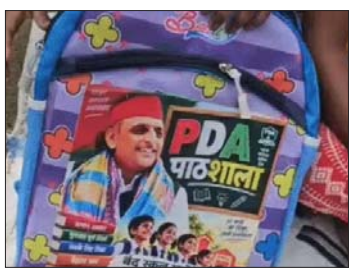

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार को शिक्षक दिवस के मौके पर समाजवादी पार्टी ने गोमतीनगर में PDA पाठशाला लगाई। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बच्चों को पढ़ाया। इस दौरान बच्चों को अखिलेश यादव की तस्वीर वाली कॉपी-किताबें भी बांटी। सपा नेता फखरुल हसन चांद ने बताया कि अखिलेश यादव के आह्वान पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में PDA पाठशाला लगाई गई है। प्रदेश में करीब 26 हजार प्राथमिक विद्यालय बंद किए गए हैं। इसके विरोध में यह अभियान शुरू किया गया है।

स्कूल बंद होने से पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और किसान परिवारों के बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। सपा शिक्षा के मुद्दे को PDA पाठशाला के जरिए लगातार उठाती रहेगी।

सपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि PDA पाठशाला लगातार चलती रहेगी। हर दिन पार्टी का एक कार्यकर्ता पाठशाला में पहुंचकर बच्चों को एक घंटे पढ़ाएगा। बच्चों को पढ़ाई की सामग्री भी दी जाएगी। फिलहाल बच्चे जमीन पर दरी बिछाकर पढ़ रहे हैं। जल्द ही उनके लिए कुर्सी-मेज और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर बंद किए गए सभी प्राथमिक विद्यालयों को दोबारा खोला जाएगा।

समाजवादी पार्टी का यह अभियान 5 से 11 सितंबर तक चलेगा। 7 सितंबर को PDA वृक्षारोपण और पर्चा वितरण किया जाएगा। 8 सितंबर को विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर छात्रों से संपर्क किया जाएगा।

9 सितंबर को छात्रों से सुझाव लिए जाएंगे और उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी। इस दौरान उनसे संकल्प पत्र भी भरवाए जाएंगे। 10 सितंबर को छात्र-छात्राओं और युवाओं की राजनीति में भूमिका को लेकर संगोष्ठी होगी।

सांप ने डसा तो महाराजगंज से 250 केएम गाजीपुर ले गए, झाड़फूक करवाया, सांसें नहीं लौटी

मरे बच्चे को जिंदा करने के लिए मंदिर में लिटाया

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज । महराजगंज में बेड पर सो रहे मां और उसके 11 साल के बेटे को करैत सांप ने डस लिया। थोड़ी देर बाद बच्चे की मौत हो गई। मां की हालत गंभीर है। सांप खिड़की के सहारे कमरे की दीवार पर आया, जिसके बाद बेड पर गिरा। बच्चे के अंगूठे पर डसते ही उसने शोर मचाया तो मां उठ गई। जबतक वो कुछ समझ पाती, तब तक सांप ने उसके गाल पर डस लिया।

मां ने शोर मचाया तो परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में परिवार के लोग दोनों को लेकर संयुक्त चिकित्सालय महराजगंज पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत करार दे दिया। जबकि महिला को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बच्चे की मौत के बाद परिवार उसे जिंदा होने की उम्मीद में करीब 250 किलोमीटर दूर गाजीपुर के एक मंदिर ले गया। वहां महंत ने करीब 20 मिनट तक बच्चे को मूर्ति के सामने लिटाकर झाड़-फूंक की। जब कोई हलचल नहीं हुई तो महंत ने बच्चे के जीवित न होने की बात कही, जिसके बाद परिवार शव लेकर वापस लौट आया। घटना शनिवार तड़के 4 बजे चौक थाना क्षेत्र के मधुबनी पोखरा टोला की है।

मौत के बाद जिंदा होने की आस में गाजीपुर ले गए शव

विवेक ने बताया कि डसने के बाद चाची ने शोर मचाया। परिवार के बाकी लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह दोनों को कमरे से बाहर निकाला। दरवाजा बंद कर सांप को कमरे में ही कैद कर दिया। इसके बाद दोनों की हालत बिगड़ने लगी। घरवाले सुबह करीब 6 बजे दोनों को लेकर जिला संयुक्त चिकित्सालय, महराजगंज पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने अर्पित को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर हालत में चाची सुगंधा को अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया।

अर्पित की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। उसके जिंदा होने की उम्मीद में परिजन शव को झाड़-फूंक कराने के लिए गाजीपुर के अमवा के सती माता मंदिर ले गए। वहां करीब 20 मिनट तक शव को मूर्ति के सामने लिटाए रखा। जब महंत ने बताया कि बच्चा मर चुका है, तब घरवाले शव को कार से लेकर वापस लौट गए।

सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार के लोगों से पूछताछ की।

हेलमेट में छिपा मिला करैत सांप

ग्रामीणों की सूचना पर सुबह वन्यजीव रक्षक रामबचन साहनी की टीम कृष्ण मुरारी यादव के घर पहुंची। टीम ने काफी तलाश की तो करैत सांप कमरे में रखे हेलमेट के फोम में छिपा मिला। टीम ने सांप का रेस्क्यू कर उसे अपने साथ ले गई। कृष्ण मुरारी यादव के बड़े भाई राजेश्वर यादव दीवानी कचहरी के जाने-माने वकील हैं। बच्चे की मौत के बाद बाबा विश्वनाथ यादव, चचेरे भाई विवेक और दादी विन्द्रावती का रो-रोकर बुरा हाल है।

मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर मधुबनी टोला पोखरहवा गांव है। यहां कृष्ण मुरारी यादव का परिवार रहता है। कृष्ण मुरारी शहर में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) हैं। परिवार में पत्नी सुगंधा और दो बेटे आयुष (13) व अर्पित (11) था। अर्पित लिटिल एंजल एकेडमी, चौक बाजार में कक्षा-2 में पढ़ता था।

आगरा में सत्याग्रह प्रदर्शन के दौरान विवाद

यूजीसी रोलबैक और आरक्षण हटाओ आंदोलन के समर्थन में पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में शहीद स्मारक पर सत्याग्रह चल रहा है। सुबह 10 बजे से ही कार्यकर्ता पहुंचे। हाथ में अपनी-अपनी मांगों से जुड़ी तख्तियां लेकर पहुंचने कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के नए नियम की वापसी और आरक्षण व्यवस्था खत्म करने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों का कहना है कि यूजीसी के हालिया फैसलों से सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव हो रहा है।

इस दौरान एक-दूसरे पर टीका-टिप्पणी से विवाद हो गया। क्षत्रिय समाज के लोगों ने कार्यक्रम में खुद को नजर अंदाज किए जाने का आरोप लगाया। बताया कि यहां भाजपा विधायक रानी रानी पक्षालिका सिंह पर गलत टिप्पणी की गई। इसके बाद वहां दो गुटों के बीच बहस भी हुई। मामला शांत कराने की कोशिश हुई, लेकिन क्षत्रिय समाज के लोग कार्यक्रम छोड़कर बाहर चले गए।

प्रदर्शन के दौरान दोपहर करीब 2 बजे प्रदर्शनकारियों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। एक ब्राह्मण नेता पवन समाधिया ने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पांच ब्राह्मणों का नाम लिया, इसे क्षत्रिय समाज नाराज हो गया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ ब्राह्मणों का आंदोलन नहीं है, इसमें क्षत्रिय समाज के भी नेता शामिल है। उनका नाम क्यों नहीं लिया गया।

इस दौरान वहां मौजूद क्षत्रिय नेता नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि मंच पर बाह सीट से भाजपा विधायक रानी पक्षालिका सिंह का नाम लिया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

गौतम अडानी के बेटे ने किया ताजमहल का दीदार

आगरा। भारत के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के बेटे करण अडानी ने शनिवार को परिवार के साथ ताजमहल का दीदार किया। सभी ने डायना बेंच पर फोटो शूट कराया। इस दौरान करण अडानी की पत्नी परिधि अडानी अपनी सादगी और शालीन व्यवहार देखने को मिला। शनिवार सुबह करीब साढे. 10 बजे करण अडानी अपने परिवार के साथ ताजमहल पहुंचे।

कानपुर में मुआवजे को लेकर शव रखकर हंगामा

कानपुर। कानपुर कल्याणपुर सड़क हादसे में दो दोस्तों सचिन वाल्मीकि (24) और सूरज वाल्मीकि (35) की मौत हो गई थी, दोनों का शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिवार के लोगों ने सड़क पर शव रखकर हंगामा किया। मुआवजे को लेकर परिजनों ने रावतपुर-मसवानपुर रोड जाम करने के साथ ही हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी।

अचानक सड़क पर शव रखे जाने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।

अभिनेत्री कंगना केस में वादी ने नहीं की बहस

आगरा। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ किसानों के अपमान और राजद्रोह के मामले में शनिवार को स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह की अदालत में बहस नहीं हो सकी। बहस के लिए तय तारीख पर वादी वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर समय मांगा।

25 बस्तियों के 50 हजार लोग बाढ़ में फंसे

कानपुर में घरों में घुसा गंदा पानी, स्कूल-काम बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । 'जिन गलियों में कुछ दिन पहले तक बच्चे स्कूल जाते थे, महिलाएं बाजार निकलती थीं और बुजुर्ग टहलने निकलते थे। आज उन्हीं रास्तों पर सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है।' ये कहते हुए कानपुर के मकड़ीखेड़ा में रहने वाली प्रियंका वर्मा की आंखों में आंसू आ गए। पास में ही उनके बच्चे भी खड़े थे। यहां के करीब 25 मोहल्लों और बस्तियों के 50 हजार लोग पिछले एक हफ्ते से जलभराव की मार झेल रहे हैं। कहीं घरों के अंदर पानी भर गया है तो कहीं लोग छतों और दूसरी मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। सैकड़ों परिवार घरों पर ताला लगाकर सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं, जबकि कई इलाकों में बच्चे स्कूल और लोग काम पर नहीं जा पा रहे हैं। नाले चोक हैं, जलकुंभी और गंदगी

से पानी की निकासी बंद है और बोरिंग तक डूब गई हैं। टीम ने मकड़ीखेड़ा और आसपास के इलाकों में पहुंचकर जाना कि जलभराव के बीच लोग कैसे जिंदगी गुजार रहे हैं और उनकी सबसे बड़ी परेशानी क्या है। मकड़ीखेड़ा, गुप्ता कॉलोनी, सुख्खूपुरवा, इंदिरा नगर, धुन्नूपुरवा, पहलवान पुरवा, अग्निहोत्री नगर और ख्योरा समेत करीब 25 बस्तियों के 50 हजार लोग जलभराव से परेशान हैं। घरों से बाहर निकलने के लिए लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

'शिक्षा हमारा विकल्प नहीं, संकल्प है'

शिक्षक दिवस पर अखिलेश यादव ने 2000 शिक्षकों को किया सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शिक्षक दिवस के अवसर पर गोमतीनगर स्थित लखनऊ पब्लिक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजक एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल के संस्थापक व सांसद एसपी सिंह पटेल ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा से जुड़े लोगों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षक दिवस पर देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा कोई विकल्प नहीं बल्कि संकल्प है। विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब शिक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सभी को संकल्प लेना चाहिए कि वे हमेशा शिक्षा और शिक्षकों का सम्मान करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी शिक्षा विरोधी, संकीर्ण सोच रखने वाली रूढ़िवादी और सामंती विचारधाराओं के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि समाज में सौहार्द बनाए रखना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार पर समाज में वैमनस्यता फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सच्चा सनातनी सौहार्द पसंद करता है।

सहारनपुर मामले को लेकर उन्होंने भाजपा पर

सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर शिक्षा और शिक्षकों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज में जागरूकता और सामाजिक चेतना पैदा करने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने शिक्षकों के सम्मान और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

निशाना साधा। अखिलेश यादव ने अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के लोग जनता के सामने बेनकाब हो चुके हैं।

2000 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने करीब 2000 शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में लखनऊ पब्लिक स्कूल की 18 शाखाओं के प्रिंसिपल भी शामिल रहे।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की लखनऊ स्नातक क्षेत्र से एमएलसी प्रत्याशी एवं पूर्व एमएलसी कांति सिंह तथा लखनऊ शिक्षक क्षेत्र से एमएलसी प्रत्याशी सुशील कुमार ने भी अखिलेश यादव का स्वागत किया।

उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

कन्नौज के बंद स्कूल में शिक्षक सम्मान के लिए पहुंचे थे, बहस के बाद बाहर निकाला

टीचर्स डे पर सपा नेताओं और पुलिस में नोकझोंक

तमसा संकेत, एजेंसी

तिर्वा। कन्नौज में बंद पड़े स्कूल में रिटायर्ड शिक्षकों के सम्मान को लेकर सपा नेताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक हो गई। सपा नेताओं का कहना है कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बंद स्कूलों में जाकर गांव के सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान कर रहे थे। इसी दौरान भुनियापुर गांव के एक बंद स्कूल में पुलिस ने पहुंचकर उन्हें बाहर निकलने को कहा।

अखिलेश यादव ने शिक्षक दिवस पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को बंद किए गए स्कूलों में जाकर गांव के रिटायर्ड शिक्षकों का सम्मान करने का निर्देश दिया था। इसी के तहत तिर्वा कस्बे के सपा नेता कुक्कू

सम्मान समारोह के दौरान पुलिस ने सपा नेताओं को स्कूल से बाहर कर दिया।

चौहान के नेतृत्व में शनिवार सुबह कई नेता और कार्यकर्ता शिक्षकों के सम्मान के लिए निकले। टीम ने कई स्कूलों में पहुंचकर शिक्षकों का सम्मान किया। जब सपा नेता कोतवाली क्षेत्र के भुनियापुर गांव स्थित बंद स्कूल में शिक्षकों का सम्मान करने पहुंचे, तभी पुलिस वहां पहुंच गई। पुलिस ने सपा नेताओं को स्कूल से बाहर निकलने के लिए कहा। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक हुई। बाद में पुलिस ने सपा नेताओं को स्कूल से बाहर कर दिया।

सपा नेताओं ने कई स्कूलों में पहुंचकर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया।

अखिलेश यादव के निर्देश पर निकले थे सपा नेता

सपा नेताओं के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षक दिवस के मौके पर भाजपा सरकार द्वारा बंद किए गए स्कूलों में जाकर गांव के रिटायर्ड शिक्षकों को सम्मानित करने के निर्देश दिए थे। इसी अभियान के तहत तिर्वा क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। कुक्कू चौहान के नेतृत्व में सपा नेताओं ने शनिवार सुबह कई स्कूलों में पहुंचकर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया। नेताओं का कहना था कि शिक्षक समाज को दिशा देने का काम करते हैं और शिक्षक दिवस पर उनके सम्मान के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सपा विधायक के चाचा ने सर्किट हाउस में नमाज पढ़ी

वीडियो सामने आया तो हिंदू संगठन भड़के, पी डब्ल्यू डी ने किया एफआईआर

तमसा संकेत,एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सपा विधायक मोहम्मद फहीम इरफान के चाचा हाजी मोहम्मद उस्मान ने सर्किट हाउस में नमाज पढ़ी। इसका शुक्रवार को वीडियो सामने आने के बाद हिंदू संगठन भड़क गए।

राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने कहा- प्रशासन ने किस नियम से नमाज अदा करने की अनुमति दी? प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि सपा नेता को किस हैसियत से सर्किट हाउस परिसर में नमाज अदा करने के लिए जगह दी गई। क्या किसी विधायक के रिश्तेदार को सरकारी भवन में इस तरह की अनुमति देने का कोई नियम है। अगर नहीं है तो सख्त कार्रवाई होनी

चाहिए। एडीएम सिटी अंकित श्रीवास्तव ने बताया- जांच चल रही है। कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद PWD जेई की तहरीर पर मझोला थाने में FIR दर्ज की गई। वहीं हाजी उस्मान ने कहा- ये इबादत का मामला है। कोई गुनाह नहीं किया। हाजी उस्मान सपा के जिला उपाध्यक्ष हैं। वे पहले भी विवादों में रहे हैं। मई 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान बिलारी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की चुनावी जनसभा में मोहम्मद उस्मान ने भाषण दिया था। मामले में उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

सपा नेता हाजी मोहम्मद उस्मान का सर्किट हाउस में नमाज अदा करते हुए वीडियो गुरुवार (3 सितंबर) का है। यूपी विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव सर्किट हाउस में ठहरे हुए थे। उन्होंने सपा नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की थी।

समीक्षा बैठक खत्म होने के बाद मोहम्मद उस्मान ने सर्किट हाउस से बाहर निकल कर लॉन के पास नमाज अदा की थी। वीडियो एक सपा कार्यकर्ता ने ही बना लिया था।

पृष्ठ 01 का शेष...

टिप्पणी करना आसान ...

प्रोजेक्ट अलंकार, ऑपरेशन कायाकल्प से बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में परिवर्तन कठिन था, पर इसे भी किया गया। टिप्पणी करना बहुत आसान है, लेकिन करके दिखाना मुश्किल।

शिक्षा में राजनीति ...

गोरखपुर में योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित इस समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग के 61 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों (कुल 81) को पुरस्कृत किया गया। सभी शिक्षकों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से पुरस्कृत किया। शिक्षकों को पुरस्कार देते समय सीएम योगी ने उनसे आत्मीय संवाद कर बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विगत साढ़े नौ साल में शिक्षा व्यवस्था में आए सकारात्मक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बेसिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ता लाने का काम वर्ष 2017 से पहले भी हो सकता था। पर, तत्कालीन सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने तंज कसा, 'जितना पैसा आप सैफई महोत्सव में खर्च करते थे, उसी में थोड़ा सा पैसा शिक्षा की तरफ डाइवर्ट करते तो लाखों बच्चों का भविष्य बन चुका होता। जितने पैसे में बकिंघम की बग्गी मंगा कर अपना जन्मदिन मनाते थे, उतना पैसा शिक्षा पर खर्च करते, तो बच्चों का भविष्य बनता, पहचान का संकट नहीं आता।'

यूपी के शिक्षकों पर..

यूपी के प्रति धारणा बदली है। इस परिवर्तन के महत्वपूर्ण वाहक शिक्षक हैं और शिष्य का योग्य व संस्कारी बनना ही सबसे बड़ी गुरु दक्षिणा है।

नेपाल बाढ़ के बाद ...

नेपाल-तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद बाढ़ आई थी। तब से राहत-बचाव कार्य जारी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक 169 भारतीयों को सुरक्षित निकाला है, जबकि 275 अब भी लापता हैं।

नेपाल में अब तक करीब 1344 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। फिलहाल 5300 से ज्यादा लोग लापता हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ से 32,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

नेपाल में बचाव अभियान का सबसे ज्यादा फोकस करीब 12 जलविद्युत परियोजनाओं पर है। इन प्रोजेक्ट्स में काम करने वाले करीब 900 कर्मचारी अब भी लापता हैं। इनमें से करीब 500 लोगों के बड़ी सुरंगों में फंसे होने की आशंका है।

पुंछ अटैक में शामिल ...

सुरक्षा बलों ने गुरुवार को यासिर को बडगाम के अशदार जंगलों में मार गिराया। इस इलाके में सेना का ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा एजेंसियों को यासिर की कई सालों से तलाश थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा आतंकी की फोटो पोस्ट कर लिखा- तुम भाग सकते हो, छिप नहीं सकते।

एजेंसियों के मुताबिक, यासिर उर्फ अबु तल्हा जम्मू-कश्मीर में कई बड़े आतंकी हमलों से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा रहा है। इसमें मई 2024 में पुंछ में IAF काफिले पर हमला और दिसंबर 2023 का डेरा की गली एंबुश भी शामिल है।

21 दिसंबर 2023: पुंछ के सुरनकोट स्थित डेरा की गली (DKG) में आतंकियों ने सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें 4 जवान शहीद हुए। 4 मई 2024: पुंछ के सुरनकोट के सनाई टॉप/शाहसितार के पास आतंकियों ने एयरफोर्स (IAF) के काफिले पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद और 4 जवान घायल हुए। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, यासिर (अबु तल्हा) 2022 से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय चार सदस्यीय LeT ग्रुप का हिस्सा था। उसके मारे जाने के बाद इस ग्रुप का सिर्फ हाशिम मूसा बचा है। इस ग्रुप में स्थानीय LeT आतंकी जुनैद रमजान के अलावा सुलेमान, यासिर और हाशिम मूसा शामिल थे। जुनैद रमजान पहले ही मारा जा चुका था। उसके मोबाइल फोन से सुरक्षा बलों को चारों आतंकियों की एक तस्वीर मिली थी, जिससे एजेंसियों को इस ग्रुप और J&K में उसके नेटवर्क का अहम सुराग मिला।

1 दिसंबर से 4 चुनावी ...

सरकार की ओर से 25 जून को जारी बयान में कहा गया था कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के बर्फीले और गैर-समान समय वाले इलाकों तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों को छोड़कर बाकी देश के लिए जनगणना की संदर्भ तारीख 1 मार्च 2027 होगी। गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की विधानसभाओं का कार्यकाल मई 2027 तक खत्म हो जाएगा। जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा।

'श्रीराम कॉलेज के ...

पीएम मोदी ने संबोधन की शुरुआत में एलुमिनाई स्टूडेंट्स के नाम लिए और फिर बोले- मैं छठा खिलाड़ी हूं। आज का ये अवसर बहुत ऐतिहासिक है। ये देश के शिक्षा जगत के लिए भी अहम है। यहां SRCC का हिस्सा रही अनेक पीढ़ियां जुड़ी हैं।

मोदी ने कहा- मैं कॉलेज के संस्थापक सर श्री राम जी का भी धन्यवाद करता हूं। जब कोई इंसान 100 साल जीता है तो उसके अनुभवों का सागर माना जाता है। और जब कोई संस्थान ऐसा करता है तो वो उपलब्धियों का महासागर हो जाता है।

इवेंट के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने X पर एक पोस्ट में लिखा- इस कॉलेज ने एकेडमिक एक्सीलेंस, संस्थान बनाने और बिजनेस, पब्लिक लाइफ और समाज में लीडर्स की पीढ़ियों को तैयार करने के मामले में सालों में अपनी अलग पहचान बनाई है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी का श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स भारत के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है और कॉमर्स, इकोनॉमिक्स और मैनेजमेंट के क्षेत्रों में सीखने का एक प्रतिष्ठित केंद्र है।

मोदी बोले- देश के...

आज भी जब कोई पूछता है कि DU में कौन सा कॉलेज, तो SRCC कहना ही अपने आप में फ्लैक्स होता है। आपकी भाषा में कहूं तो यहां के एल्युमनाई OG हैं। जिन्होंने SRCC का नाम पूरी दुनिया में पहुंचाया। हमारे अरुण जेटली जी यहीं पढ़े थे। और मैं कह सकता हूं कि हमारी ऐसी कोई मुलाकात नहीं हुई जहां उन्होंने SRCC की बात न की हो। कभी-कभी तो मैं तंग आ जाता था।

लोग मेरे 2013 के संबोधन को याद कर रहे हैं। नई पीढ़ी के लोगों ने भी उसे रिविजिट किया है।

सहारनपुर में मस्जिद ...

सिटी मजिस्ट्रेट ने 17 जुलाई को दिए अपने आदेश में मस्जिद को अवैध बताते हुए इसे गिराने के आदेश दिए थे। मुस्लिम पक्ष ने इस आदेश को जिला अदालत में चुनौती दी थी। जिला अदालत ने सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा था। जिला अदालत के आदेश के बाद ही प्रशासन ने मस्जिद को गिराने की कार्रवाई शुरू की।

अवैध मस्जिद को...

इकरा हसन ने कहा है कि वह सहारनपुर जाकर लोगों की आवाज उठाना चाहती थीं लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया।

मीडिया सेक्टर में ...

अखबार और मीडिया संस्थान कहा करते थे कि वे तय करेंगे कि चुनाव कौन जीतेगा, लेकिन अब सोशल मीडिया ने इस दिशा को बदल दिया है।राजनीति समेत सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता का संकट है, लेकिन मीडिया क्षेत्र में विश्वसनीयता का संकट सबसे बड़ी समस्या है।

मीडिया को अपनी विश्वसनीयता बहाल करने के बारे में सोचना चाहिए। जिन लोगों के पास विश्वसनीयता होती है, उन्हें खुद का प्रचार करने की जरूरत नहीं पड़ती।

एसएआई कोच पर यौन उत्पीड़न के आरोप

आरोप

शूटिंग रेंज से हटाया गया, जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में टीम के साथ था

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जूनियर राइफल निशानेबाजों ने एक SAI कोच पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। भारतीय शूटिंग टीम जून में जर्मनी के सुहल में आयोजित जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान कुछ शूटर यौन उत्पीड़न का शिकार हुईं।

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) ने आरोपी कोच को दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटा दिया है।

SAI के अनुसार, उसे डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में तैनात एक शूटिंग कोच के खिलाफ एक महिला शूटर की शिकायत की जानकारी NRAI से मिली थी। मामला फिलहाल NRAI की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी (ICC) के सामने विचाराधीन है, इसलिए PoSH एक्ट, 2013 की धारा 16 के तहत इसकी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की जा सकती।

खिलाड़ी की शिकायत पर पुलिस ने POCSO एक्ट के तहत FIR दर्ज की थी। आरोप था कि दिसंबर 2025 में डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में नेशनल लेवल की प्रतियोगिता के दौरान कोच ने प्रदर्शन के मूल्यांकन के बहाने उसे होटल बुलाया था। इसके बाद NRAI ने भारद्वाज को सस्पेंड कर दिया था। अंकुश खुद इंटरनेशनल शूटर रहे और उनकी पत्नी अंजुम मोदगिल हैं। जो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी के सामने पेश हुआ कोच

NRAI सूत्रों के अनुसार, इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी ने खिलाड़ियों के लगाए गए आरोपों पर कोच का जवाब सुना। इसके बाद NRAI ने अपनी रिपोर्ट SAI को भेजी। रिपोर्ट के आधार पर SAI ने कोच को तुगलकाबाद स्थित करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटा दिया। हालांकि, इस मामले में अब तक पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी गई है।

> प्रशासनिक कदम के तौर पर संबंधित कोच को डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटाकर दिल्ली के एसएआई रीजनल सेंटर से अटैच कर दिया गया है। यह व्यवस्था एनआरएआई की आईसीसी जांच पूरी होने तक लागू रहेगी।

> आरोपों का सामना कर रहा कोच एसएआई का कर्मचारी है। फिलहाल मामले में इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी की प्रक्रिया जारी है। उपलब्ध जानकारी में आरोपों की पूरी प्रकृति या जांच के अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आए हैं।

एसएआई का कर्मचारी है आरोपी

नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के दौरान भी एक शूटर ने कोच यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे

नेशनल शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज पर 17 साल राष्ट्रीय स्तर की महिला निशानेबाज ने फरीदाबाद के एक होटल में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

अल्कराज और मेदवेदेव यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे

सबालेंका के मैच में गांजे की बदबू से रुका खेल

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को US ओपन 2026 के तीसरे राउंड में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर मेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में पहुंच गए। 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर लौटे अल्काराज ने 2 घंटे 20 मिनट में मैच जीता। वहीं, डेनियल मेदवेदेव ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने मैच के दौरान स्टैंड्स से आ रही गांजे की बदबू की शिकायत की, जबकि एम्मा नवारो ने विंबलडन फाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

कलाई की चोट के कारण अप्रैल से सिंगल्स कोर्ट से दूर रहे अल्काराज टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे राउंड में पुर्तगाल के जेमी फारिया के खिलाफ एक सेट गंवाना पड़ा था।

वहीं तीसरे राउंड में वू यिबिंग के खिलाफ अल्काराज ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं जितना सोच रहा था, उससे बेहतर स्थिति में हूं। पहले मैच के बाद मुझे लगा था कि शारीरिक रूप से परेशानी होगी, लेकिन मेरी रिकवरी बहुत अच्छी हो रही है।' चौथे राउंड में अल्काराज का सामना अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा।

जूनियर मेंस हॉकी एशियाड में भारत की 14-0 से जीत

इंडोनेशिया को हराया, प्रभदीप ने 5 और अनमोल ने 4 गोल किए

नई दिल्ली। भारत की जूनियर मेंस हॉकी टीम ने चीन के मोकी में जूनियर एशिया कप 2026 की शुरुआत 14-0 की बड़ी जीत से की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को हराया।

प्रभदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने 4, अजीत यादव ने 3, जबकि हरपाल और आशु मौर्य ने 1-1 गोल किया।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और इंडोनेशिया पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रभदीप ने 5वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद हरपाल ने 8वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया।

इंडोनेशिया भारतीय टीम के तेज हमलों और लगातार मूवमेंट का सामना नहीं कर सका। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में कप्तान अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

बोले- मेरी पत्नी भी उसकी वजह से दलीप ट्रॉफी देख रही, सही मार्गदर्शन से सुपरस्टार बनेगा

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि बेखौफ अंदाज में क्रिकेट खेलने वाला यह युवा बल्लेबाज सही मार्गदर्शन मिलने पर वर्ल्ड क्रिकेट का सुपरस्टार बन सकता है। श्रीकांत ने यह भी बताया कि वैभव की बल्लेबाजी का असर ऐसा है कि उनकी पत्नी भी दलीप ट्रॉफी देखने लगी हैं।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अगर वैभव को सही तरीके से तैयार किया गया, तो वे विश्व क्रिकेट में बड़ा नाम बन सकते हैं। वैभव ने सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रनों की आक्रामक पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 40 रन बनाए। ईस्ट जोन ने यह मुकाबला चार विकेट से जीतकर फाइनल में जगह बनाई।

इस मैच के दौरान वैभव ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वे दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए।

वैभव ने दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 92 रन की पारी खेली थी।

वैभव ने दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 92 रन की पारी खेली थी। श्रीकांत ने वैभव की बल्लेबाजी के तरीके की खास तौर पर तारीफ की। उनका कहना है कि रेड-बॉल क्रिकेट में भी जिस तरह यह युवा बल्लेबाज गेंदबाजों पर दबाव बना रहा है, वह उनकी असाधारण क्षमता दिखाता है। श्रीकांत ने कहा, 'लोग इस बात पर संदेह कैसे कर सकते हैं कि यह लड़का हाई लेवल क्रिकेट खेल सकता है या नहीं? वह हर स्तर का क्रिकेट खेल सकता है और जल्द ही सभी फॉर्मेट में विश्व क्रिकेट पर राज करने वाला है।'

श्रीकांत बोले- वैभव को हतोत्साहित नहीं करना चाहिए

श्रीकांत ने कहा, 'वे शानदार खेल रहा है। उसे प्रोत्साहित करना चाहिए और कभी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। अगर उसे सही तरीके से तैयार किया गया, तो वह सुपरस्टार बनने की राह पर है। वे टेस्ट क्रिकेट को फिर उसके गौरव तक पहुंचाएगा।'

श्रीकांत ने आगे कहा, सूर्यवंशी की वजह से लोग दलीप ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट को भी देखने लगे। यहां तक कि मेरी पत्नी भी उसकी वजह से दलीप ट्रॉफी देख रही थीं।

मनोरंजन

पोज देने की डिमांड पर फटकारा, बिग बॉस 20 की शूटिंग शुरू की, पहले भी लगा चुके हैं ऐसे ही डांट

पैपराजी पर भड़के सलमान खान

नई दिल्ली, एजेंसी

सलमान खान बिग बॉस 20 के सेट पर उन्हें कवर करने आए पैपराजी पर भड़क गए। सलमान ने सरेआम फोटोग्राफर्स को फटकारा, जिसका वीडियो अब सामने आया है। दरअसल, सलमान टी-शर्ट, जींस और काऊबॉय हेट पहने, बिग बॉस 20 के मंच पर शूटिंग के लिए पहुंचे थे। सलमान पोज दे रहे थे तभी एक फोटोग्राफर ने- बाबा.., बाबा..., चिल्लाते हुए उनसे पोज देने की डिमांड की। ये सुनते ही सलमान नाराज हो गए और गुस्से में कहा- बाबा? ये तेरा काम नहीं है। मुझे कैमरे के आगे आने की कोई जरुरत नहीं है।

इस घटना के कुछ समय बाद फिर पैपराजी बार-बार फोटो लेने के लिए उतावले दिखे, जिससे सलमान के चेहरे पर गुस्सा आ गया।

टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस 20, 6 सितंबर से शुरू हो रहा है। बिग बॉस हाउस का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है।

सलमान पिछले कुछ दिनों से लगातार पैपराजी पर नाराजगी जता रहे हैं। ये इस तरह की चौथी घटना है, जब सलमान ने पैपराजी को फटकारा है।

कुछ महीनों पहले सलमान खान वर्ल्ड पैडल लीग के एक इवेंट का हिस्सा बने, जिसमें उनकी भांजी आयत भी पहुंची थी। इवेंट के बाद सलमान भांजी को गोद में लिए निकल रहे थे, तभी फोटोग्राफर्स ने उन्हें घेर लिया।

> रियलिटी शो बिग बॉस 19 की सक्सेस पार्टी में भी ऐसा ही हुआ। सलमान जैसे ही पोज देने पहुंचे, पैपराजी उनकी तस्वीर लेते हुए शोर करने लगे, इसके बाद सलमान ने इशारे में हल्ला न करने के लिए कहा था।

अस्पताल के बाहर शोर मचाने पर डांटा

कुछ महीनों पहले सलमान किसी करीबी से मिलने अस्पताल गए थे। वह जैसे ही बाहर आए, पैपराजी तस्वीर लेने के लिए आवाज लगाने लगे। शोर होता देख, सलमान भड़क गए और जमकर खरी-खोटी सुनाई। बाद में सलमान ने की अटपटी सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कीं। कुछ समय बाद जब सलमान रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे, तो पैपराजी ने सलमान को घेर कर माफी मांगी थी।

2 करोड़ की हनुमान अंश बनी नोट छापने की मशीन

दुनियाभर में गूंजी जयकार जन्माष्टमी पर की ऐतिहासिक कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी

हनुमान अंश साल 2026 की सबसे चर्चित फिल्म बन चुकी है। 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 2000% मुनाफे के साथ धुरंधर 2 को भी पीछे छोड़ दिया। आमतोर पर फिल्मों का बढ़ते दिन पर कलेक्शन घटता है, लेकिन हनुमान अंश के साथ उल्टा हो रहा है।

जैसे-जैसे यह फिल्म सिनेमाघरों में एक महीना पूरा करने के करीब पहुंच रही है, फिल्म के कलेक्शन में एक अच्छा उछाल देखने को मिल रहा है। 29वें दिन न सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर, बल्कि दुनियाभर की कमाई के मामले में भी नीम करौली बाबा की फिल्म पर कृपा बरसी। महज 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर स्लो शुरुआत की थी, लेकिन अब फिल्म की रफ्तार को भारत में ही नहीं दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर रोकना नामुमकिन है। मिर्जापुर- द मूवी की दस्तक 29वें दिन हनुमान अंश को टस से मस नहीं कर पाई है।

सेकनिल्क डॉट कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर हनुमान अंश ने कुल 97.77 करोड़ की कमाई कर ली है। हर दिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म करोड़ों में कमाई कर रही है।

कभी होटल में काम करते थे, मनोज बाजपेयी की चप्पल अपने पास रख ली थी

'पंकज त्रिपाठी 7 दिन जेल में रहे थे'

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी का आज 50वां जन्मदिन है। पंकज त्रिपाठी उन कलाकारों में गिने जाते हैं जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी अलग पहचान बनाई। बिहार के गोपालगंज जिले के बेलसंड गांव से निकलकर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा तक पहुंचे पंकज ने फिल्मों में छोटे-छोटे किरदारों से शुरुआत की और वर्तमान समय के हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित अभिनेताओं में से एक हैं।

पंकज की जिंदगी से जुड़ा एक इमोशनल किस्सा अभिनेता मनोज बाजपेयी से भी जुड़ा है। जब पंकज ने मनोज की चप्पल अपने पास रख ली थी। दरअसल, फिल्मों में पहचान बनाने से पहले पंकज त्रिपाठी पटना के होटल मौर्य की किचन में सुपरवाइजर के तौर पर काम करते थे। वह होटल में काम करने के साथ-साथ थिएटर भी किया करते थे। इसके साथ ही उन्होंने वेटर से कह दिया था कि मनोज जी से कहना कि एक लड़का उनसे मिलना चाहता है और वह थिएटर करता है। इसके बाद पंकज खुद मनोज के कमरे में पहुंचे। उन्होंने मनोज को प्रणाम किया, पैर छुए और बताया कि वह भी थिएटर करते हैं। कुछ देर उनसे मिलने के बाद पंकज वहां से वापस आ गए। कॉलेज के दिनों में पंकज त्रिपाठी का सामना जेल से भी हुआ था। साल 1993 में वह छात्र राजनीति से जुड़े थे और एक आंदोलन के दौरान उन्हें पटना की बेऊर जेल में करीब सात दिन बिताने पड़े।

पंकज त्रिपाठी और मनोज बाजपेयी ने एक साथ मुख्य रूप से फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर (2012) में काम किया है।

पंकज की जिंदगी में एक नहीं, दो जन्मतिथियां

पंकज त्रिपाठी की जन्मतिथि को लेकर भी एक दिलचस्प किस्सा है। दस्तावेजों और कई आधिकारिक प्रोफाइल में उनकी जन्मतिथि 5 सितंबर 1976 दर्ज है। हालांकि, पंकज ने खुद बताया था कि उनका जन्म वास्तव में 28 सितंबर 1976 को हुआ था।

मनोज की चप्पल होटल में छूट गई थी

पंकज ने बताया था कि अगले दिन सुबह मनोज बाजपेयी होटल से चेकआउट करके एयरपोर्ट के लिए निकल गए। हालांकि, मनोज की एक हवाई चप्पल होटल के कमरे में छूट गई। जिसके बाद हाउसकीपिंग के कर्मचारी ने पंकज से कहा, "तुम्हारे मनोज बाजपेयी चप्पल छोड़ गए हैं।"

यह सुनते ही पंकज ने कहा कि चप्पल हाउसकीपिंग में जमा मत करो, उन्हें दे दो। इसके पीछे की वजह बताते हुए पंकज ने कहा था, "एकलव्य की तरह अगर मैं इनके खड़ाऊं में अपना पैर डाल लूंगा" यह कहते-कहते पंकज शो में भावुक हो गए थे।

> पंकज ने कपिल शर्मा के शो में बताया था कि वो मनोज बाजपेयी के बहुत बड़े फैन थे। उन्हें जब पता चला कि मनोज बाजपेयी होटल में रुके हुए हैं, तो उन्होंने होटल के स्टाफ से कहा था कि मनोज बाजपेयी के रूम से कोई भी ऑर्डर आए तो सीधे उनको बताना। जब मनोज के कमरे से ऑर्डर आया तब पंकज ने होटल में मौजूद ढेर सारे सेबों में से सबसे अच्छे सेब चुनवाए और उन्हें अच्छी तरह पैक करवाकर एक्टर के कमरे में भेजा था।

अमेरिका ने ईरानी टैंकर पर मिसाइल दागी

धमाका

खार्ग आइलैंड के पास धमाका, ट्रम्प ने परमाणु ठिकाने पिकैक्स को उड़ाने की धमकी दी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने शनिवार को ईरानी तेल टैंकर को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, खार्ग आइलैंड के पास ईरान का तेल ले जा रहे टैंकर पर अमेरिका ने 4 मिसाइलें दागीं। इसके बाद धमाका सुना गया।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के बेहद सुरक्षित भूमिगत परमाणु ठिकाने पिकैक्स माउंटेन पर जल्द जोरदार हमला करने की चेतावनी दी है। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस ठिकाने पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। अगर किसी तरह की भी एक्टिविटी दिखाई दी तो हमला हो सकता है।

ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ पिछले पांच महीने से चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अभियान का सबसे बड़ा मकसद ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। खार्ग आइलैंड होर्मुज स्ट्रेट के बेहद करीब है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक है। दुनिया का करीब 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। अगर इस इलाके में तनाव बढ़ता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है तो पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है और कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। कुछ अनुमानों के मुताबिक अगर यहां से सप्लाई रुकती है तो तेल की कीमत प्रति बैरल करीब 10 डॉलर तक बढ़ सकती है।

ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होने से बचा है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ने कार्रवाई नहीं की होती तो इजराइल और पूरे पश्चिम एशिया को ज्यादा गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता।

ट्रम्प का दावा- ईरान के रडार दो बार तबाह किए

ट्रम्प ने ईरान के रडार सिस्टम पर किए गए हालिया अमेरिकी हमलों के बारे में भी बात की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के बेहद आधुनिक रडार सिस्टम को दो बार नष्ट किया है।

ट्रम्प ने कहा कि हालिया हमले से पहले कई दिनों तक कोई गोलीबारी नहीं हुई थी। लेकिन ईरान ने पहले रडार लगाए थे, जिन्हें अमेरिका ने नष्ट कर दिया था। इसके बाद ईरान ने फिर नए रडार लगाए और अमेरिका ने उन्हें भी नष्ट कर दिया।

वहीं, खार्ग आइलैंड ईरान के तेल कारोबार के लिए भी बेहद अहम है। यहां से ईरान के करीब 90% तेल का निर्यात होता है। इसलिए तनाव बढ़ने से ईरान की तेल से होने वाली कमाई अचानक गिर सकती है।

जमीन के अंदर है पिकैक्स माउंटेन

पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन केंद्र के पास है। नतांज पर पहले ही भारी नुकसान हो चुका है। पिकैक्स जमीन के अंदर बना बेहद मजबूत और सुरक्षित परिसर है। इसमें जमीन के काफी नीचे दो बड़े सुरंग सिस्टम बताए जाते हैं।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली खुफिया अधिकारियों का मानना है कि ईरान ने हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरे भूमिगत ठिकाने पर पहुंचा दिए हैं। सेंट्रीफ्यूज का इस्तेमाल यूरेनियम को संवर्धित करने के लिए किया जाता है।

पिकैक्स माउंटेन जमीन के काफी नीचे होने की वजह से सामान्य हवाई हमलों से इसे नुकसान पहुंचाना मुश्किल है। ऐसे में अगर अमेरिका इस ठिकाने पर हमला करता है तो यह ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ चल रहे अभियान को और बड़ा रूप दे सकता है।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें दावा किया गया है कि ये अमेरिकी हमलों में घायल हुए हैं।

फॉक्सवैगन में 50,000 कर्मचारियों की छंटनी होगी

कंपनी का 'फ्यूचर प्लान' मंजूर शेयर में 7.9% की तेजी

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोप की सबसे बड़ी कार कंपनी फॉक्सवैगन ने अपने खर्च घटाने और बिजनेस सुधारने के नए प्लान को मंजूरी दे दी है।

इसके तहत दुनिया भर में 50,000 और कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जाएगा। यह कटौती पहले से निकाली जा रही 50,000 नौकरियों के अलावा होगी। इस बड़े ऐलान के बाद फ्रैंकफर्ट शेयर बाजार में फॉक्सवैगन के शेयर्स में 7.9% की जोरदार तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों को संभावित अभूतपूर्व संकट से राहत मिलती दिखी।

इस समझौते से फॉक्सवैगन मैनेजमेंट का अपनी कर्मचारी यूनियनों और दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक 'लोअर सेक्सनी' राज्य सरकार के साथ होने वाला बड़ा विवाद टल गया है। इससे पहले विरोध के बावजूद मैनेजमेंट जबरदस्ती इस प्लान को लागू करने के लिए इमरजेंसी मीटिंग बुलाने की तैयारी में था।

नए फैसले से फॉक्सवैगन का कामकाज आसान हो जाएगा और बड़े फैसलों में बोर्ड का दखल कम होगा, जहां फिलहाल यूनियनों और सरकार का दबदबा था।

इसके अलावा, पैसेंजर कार और पार्ट्स बिजनेस को अलग कंपनी बनाने का पुराना प्लान भी अब रद्द कर दिया गया है।

कंपनी के CEO ओलिवर ब्लूमे ने एक बयान में कहा कि यह फॉक्सवैगन ग्रुप के भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है।

फास्ट न्यूज

इराक को 150 मिलियन डॉलर के बेल हेलीकॉप्टर बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने इराक को बेल (Bell) 412EPX हेलीकॉप्टर और उनसे जुड़े सैन्य उपकरण बेचने के लिए 150 मिलियन डॉलर की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका अपने रणनीतिक साझेदार की एयरलिफ्ट और ऑपरेशनल क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रहा है।

आपके आधार पर कोई और तो नहीं चला रहा सिम

नई दिल्ली। नया मोबाइल सिम कनेक्शन लेने के लिए अब डिजिटल KYC या e-KYC की प्रोसेस अनिवार्य कर दी गई है। इसके साथ ही सरकार ने आम उपभोक्ताओं के लिए बल्क सिम कार्ड जारी करने पर भी सख्त रोक लगा रखी है। यह नियम कनेक्शनों को रेग्युलेट करने के लिए बनाया गया था, लेकिन आधार डिटेल्स के बढ़ते गलत इस्तेमाल को देखते हुए अब समय-समय पर यह चेक करना जरूरी हो गया है कि आपकी पहचान पर कितने सिम एक्टिव हैं।

एक हफ्ते में सोना 4694 और चांदी 8436 सस्ती

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 4,694 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 28 अगस्त को करीब 1.60 लाख रुपए पर था। वहीं चांदी 2.44 लाख रुपए किलो से घटकर 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 8,436 रुपए बढ़ी है।

मोदी ने चेताया था, हमने नहीं सुनी : बेल्जियम पीएम

चीन-अमेरिका पर निर्भरता भारी पड़ रही, यूरोप खुद की हिफाजत भी नहीं कर सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को कहा कि यूरोप को अब आर्थिक निर्भरता का खतरा समझ आ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोप को इस बारे में काफी पहले चेताया था।

दिल्ली में CII के कार्यक्रम में उन्होंने कहा- दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन यूरोप इस बदलाव के साथ कदम नहीं मिला पा रहा। वह बूढ़ा हो चुका है।

वेवर के मुताबिक चीन और अमेरिका, यूरोप से बहुत आगे निकल चुके हैं। इनोवेशन और प्रोडक्टिविटी में यूरोप बहुत पीछे चला गया है, इसलिए उसे हर तरफ से झटके लग रहे हैं। वह खुद की भी हिफाजत नहीं कर सकता।

डी वेवर ने कहा कि यूरोप की कमजोरी सिर्फ अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी खुद उठाने की स्थिति में भी नहीं हैं। यूरोप को हर समय अपमानित होना पड़ता है।

वेवर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब यूरोपीय देशों पर अपनी सुरक्षा का ज्यादा जिम्मा खुद उठाने का दबाव बढ़ रहा है। ट्रम्प लंबे समय से NATO के यूरोपीय देशों से रक्षा पर ज्यादा पैसा खर्च करने को कहते रहे हैं।

2017 से उन्होंने NATO देशों को अपनी GDP का कम से कम 2% रक्षा पर खर्च करने पर जोर दिया। 2018 में उन्होंने इसे बढ़ाकर 4% करने की बात कही। इसके बाद 2025 में NATO देशों ने 2035 तक रक्षा और सुरक्षा पर GDP का 5% खर्च करने का लक्ष्य तय किया।

वेवर ने कहा-अब हम सुन रहे हैं। यूरोप को यह समझ थोड़ी देर से आई है, लेकिन अब यह बदलाव हो रहा है। उन्होंने यूरोप की इस स्थिति को 'रूड अवेकनिंग' यानी कड़वी हकीकत से जागना बताया।

10 से ज्यादा लोगों की मौत, 58 घायल, पटाखे रखने वाली जगह में हुआ विस्फोट

दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के सैन्य अड्डे में जोरदार धमाका

मौके पर एंबुलेंस, मेडिकल टीम और पुलिस को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने विस्फोट की वजह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

सुक्रे, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के पश्चिमी शहर वियाचा में शुक्रवार को एक सैन्य अड्डे पर जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 58 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 10 से 15 के बीच हो सकती है।

बोलीविया के रक्षा मंत्री अर्नेस्टो जस्टिनियानो ने बताया कि घायलों में ज्यादातर 52 आम नागरिक हैं, जबकि बाकी सैन्यकर्मी हैं। रक्षा मंत्री के मुताबिक, विस्फोट स्थानीय समय के अनुसार दोपहर करीब 2:30 बजे उस जगह हुआ, जहां रक्षा मंत्रालय का पटाखों का स्टॉक रखा था।

धमाके से आसपास के कई घरों को भी नुकसान पहुंचा और खिड़कियां टूट गईं

फायर ब्रिगेड ने बताया कि घटनास्थल पर अभी भी गर्मी का स्रोत मौजूद है, जिससे दोबारा धमाका होने का खतरा है। लोगों को घटनास्थल से कम से कम 150 मीटर दूर रहने को कहा गया है।

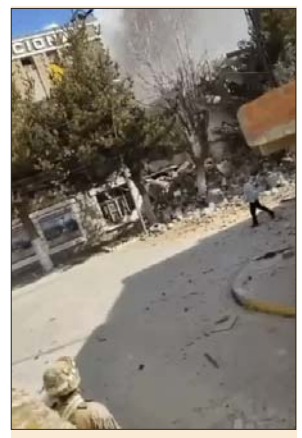

दोबारा धमाके का खतरा बना हुआ है

हादसे के बाद बचाव दल घायलों का इलाज करने के साथ उनके परिवारों की मदद में जुट गए। घायलों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में भेजा गया है। इनमें एक बच्ची भी शामिल है, जो करीब 90% जल गई है।

यूएन ने बदला दुनिया का नक्शा, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रफल में कोई बदलाव नहीं होगा

अमेरिका ने किया विरोध नए मैप में अफ्रीका बड़ा, यूरोप- यूएस छोटे

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया का नक्शा अब कुछ बदला नजर आएगा। इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को ऐतिहासिक प्रस्ताव पास किया है। भारत ने भी प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। अमेरिका प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने वाला अकेला देश रहा।

इस फैसले से देशों और महाद्वीपों के क्षेत्रफल पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बस इनका आकार पहले से थोड़ा छोटा या बड़ा दिख सकता है।

अब तक धरती पर देशों और महाद्वीपों को दिखाने के लिए मर्केटर वर्ल्ड मैप का उपयोग किया जाता था। इसमें देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल से बड़ा या छोटा दिखता था।

नए नक्शे का नाम इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन है। इसमें अफ्रीका पहले से काफी बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्सों का आकार भी पहले से छोटा दिखेगा। भारत की वास्तविक जमीन, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रफल में कोई बदलाव नहीं होगा। यह बदलाव देशों की सीमाएं बदलने वाला नहीं, बल्कि नक्शे पर पृथ्वी को दिखाने का तरीका बदलने वाला है।

भारत का नक्शा देखने में भी थोड़ा अलग दिख सकता है, लेकिन भारत के मामले में बदलाव बहुत बड़ा नहीं होगा। नया नक्शा क्षेत्रफल सही

वहीं, अफ्रीकी संघ ने इस फैसले का स्वागत किया। उसने दुनिया के नए नक्शे को ज्यादा सटीक और बराबरी वाला बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

मौजूदा नक्शे में आखिर दिक्कत क्या थी?

दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले नक्शों में से एक मर्केटर नक्शा है। इसे यूरोपियन मैप मेकर जेरार्डस मर्केटर ने 1569 में बनाया था। इसका मकसद समुद्र में जहाजों के रास्ते और दिशा को समझना आसान बनाना था। लेकिन पूरी गोल धरती को सपाट नक्शे पर दिखाने की वजह से इसमें देशों और महाद्वीपों का आकार असल से अलग नजर आने लगता है।

जैसे-जैसे कोई इलाका भूमध्य रेखा से दूर जाता है, वह नक्शे पर जरूरत से ज्यादा बड़ा दिखाई देने लगता है। यही वजह है कि उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के कई इलाके असल से काफी बड़े नजर आते हैं।

अनुपात में दिखाता है। पुराने नक्शे में भूमध्य रेखा के आसपास के इलाके अपने आकार से छोटे और ध्रुवों के पास के इलाके बड़े दिखते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव के पक्ष में 164 देशों ने वोट दिया, जबकि 6 देश वोटिंग से दूर रहे। अमेरिका ने इस पहल की कड़ी आलोचना की। अमेरिकी प्रतिनिधि यारिना फेरेन्सेविच ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को दुनिया की असली समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि 16वीं सदी के नक्शे को बदलने जैसी बहस पर।

उन्होंने इसे एक वैचारिक एजेंडा बताया और कहा कि ऐसी बहसों की वजह से संयुक्त राष्ट्र अपनी विश्वसनीयता खो रहा है।

ग्रीनलैंड इसका सबसे मशहूर उदाहरण है। मर्केटर नक्शे में ग्रीनलैंड दक्षिण अमेरिका के लगभग बराबर दिखाई देता है। लेकिन असल में दोनों के आकार में बहुत बड़ा अंतर है।

ग्रीनलैंड का क्षेत्रफल करीब 22 लाख वर्ग किलोमीटर है। यह लगभग डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के बराबर है। वहीं अफ्रीका का क्षेत्रफल करीब 3 करोड़ वर्ग किलोमीटर है।

आईसीआईसीआई बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी एलआईसी

मुंबई, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया अब ICICI बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए LIC को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से मंजूरी मिल गई है।

ICICI बैंक ने शेयर मार्केट फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। बैंक के मुताबिक, RBI की ओर से जारी मंजूरी पत्र 4 सितंबर 2026 को रात 9:09 बजे प्राप्त हुआ। यह अनुमति मिलने के बाद अब LIC अगले एक साल के भीतर बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगी। फाइलिंग में बताया गया है कि यह मंजूरी एक सीमित समय सीमा के साथ दी गई है। यदि LIC मंजूरी पत्र जारी होने की तारीख (4 सितंबर 2026) से एक साल के भीतर इस हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा नहीं कर पाती है, तो यह अनुमति रद्द हो जाएगी। यह खरीद सरकारी नियमों और कानूनी शर्तों को पूरा करने पर ही तय होगी। ICICI बैंक से पहले LIC को देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक HDFC बैंक में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी मिल चुकी है। 19 अगस्त को HDFC बैंक की फाइलिंग के अनुसार, RBI ने LIC को बैंक की पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग राइट्स का 9.99% तक अधिग्रहण करने की अनुमति दी थी। फाइलिंग के आंकड़ों के अनुसार, LIC के पास पहले से ही HDFC बैंक की कुल शेयर पूंजी का 4.11% हिस्सा मौजूद था।

शुक्रवार को LIC का शेयर 1.55 रुपए यानी 0.37% घटकर 415.35 पर बंद हुआ। वहीं ICICI बैंक का शेयर 1,423.20 के स्तर पर बंद हुआ था।

जंग : बाब अल-मंदेब पर कब्जे की कोशिश, निपटने को सरकार ने फोर्स भेजी

यमन में हूती विद्रोहियों के हमले में 129 की मौत

सना, एजेंसी

यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी फोर्स के बीच भीषण लड़ाई में 129 लोगों की मौत हुई है। यह हाल के वर्षों में यमन में हुई सबसे घातक झड़पों में से एक है। हूती विद्रोही लाल सागर के प्रवेश द्वार माने जाने वाले बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के करीब अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

लड़ाई गुरुवार को शुरू हुई। हूतियों ने तटीय इलाकों के पास जमीनी हमला करने के साथ रॉकेट और ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। इस दौरान उन्होंने लाल सागर के किनारे कई रणनीतिक ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया। इन इलाकों से मोखा बंदरगाह और समुद्री रास्ते पर नजर रखना आसान है।

एएफपी के मुताबिक यमनी सेना के एक अधिकारी ने बताया कि उसके 66 जवान मारे गए हैं। वहीं हूती विद्रोहियों से जुड़े सूत्रों ने कम से कम 62 विद्रोहियों के मारे जाने का दावा किया है। एक नागरिक की भी मौत हुई है। इस तरह अलग-अलग पक्षों से सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, लड़ाई में मरने वालों की संख्या 120 से ज्यादा हो गई है। हालांकि, इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। हूती विद्रोही यमन के उत्तरी हिस्से में रहने वाले जायदी शिया समुदाय का एक सशस्त्र संगठन है। इसकी शुरुआत 1990 के दशक में एक धार्मिक-सामाजिक आंदोलन के रूप में हुई थी। हूती सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाते थे। 2011 में ट्यूनीशिया से शुरू हुई अरब क्रांति की लहर यमन भी पहुंची। उस समय राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह करीब 33 साल से सत्ता में थे। युवाओं के प्रदर्शन की वजह से उनकी गद्दी छीन गई।

बाब अल-मंदेब इतना अहम क्यों?

बाब अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी और आगे हिंद महासागर से जोड़ने वाला बेहद अहम समुद्री रास्ता है। इसके उत्तर में लाल सागर स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर से जुड़ता है।

इस रास्ते से बड़ी मात्रा में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा की आवाजाही होती है। इसलिए यहां लंबे समय तक संघर्ष या समुद्री रास्ते में किसी तरह की रुकावट का असर सिर्फ यमन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी पड़ सकता है।

मौजूदा हमले में हूतियों का फोकस मोखा बंदरगाह और उसके आसपास के इलाकों पर भी है। रणनीतिक ऊंचाइयों पर कब्जे से उन्हें तटीय इलाके में सरकारी बलों पर दबाव बनाने और मोखा तथा बाब अल-मंदेब की तरफ जाने वाले रास्तों पर नजर रखने में मदद मिल सकती है।

हूती विद्रोहियों की बढ़त को देखते हुए यमनी सरकार ने भी ताइज में अतिरिक्त सैनिक भेजे हैं। एक यमनी अधिकारी के मुताबिक, सरकार ने सऊदी अरब के कहने पर अदन से ताइज के लिए सैनिक भेजे हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर हूती मोखा बंदरगाह या बाब अल-मंदेब के आसपास के रणनीतिक इलाकों पर अपनी पकड़ मजबूत कर लेते हैं, तो इससे यमनी सरकार और सऊदी अरब के साथ किसी भी बातचीत में उनकी स्थिति मजबूत हो सकती है।

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा पर एफआईआर

फर्जी नेटवर्थ दिखाकर 1,322 करोड़ लोन लेने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

CBI ने जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा सहित चार लोगों के खिलाफ 1,322 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामले में FIR दर्ज की है। यह कार्रवाई LIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शिकायत पर की गई है।

LIC का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने फर्जी नेटवर्थ सर्टिफिकेट जमा करके अपनी कंपनियों के लिए लोन लिया। बाद में नेटवर्थ सर्टिफिकेट से मुकर गए।

CBI ने सुभाष चंद्रा के अलावा पंकज सुरोलिया, अमिश पांड्या और राजीव ढोलकिया पर केस दर्ज किया है। चारों पर 2018 से 2026 के बीच धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। सुभाष चंद्रा जी मीडिया के मालिक एस्सेल ग्रुप के हेड हैं और जी एंटरटेनमेंट के पूर्व चेयरमैन हैं। LIC का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने साल 2018 में 'मेसर्स वसंत सागर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड' और अपनी अन्य कंपनियों के लिए लोन लिया था।

लोन मंजूर कराने के लिए उन्होंने एक 'नेटवर्थ सर्टिफिकेट' जमा किया था, जिसमें उनकी व्यक्तिगत कुल संपत्ति 59,113 करोड़ दर्शाई गई थी। इस भारी-भरकम नेटवर्थ को आधार बनाकर LIC HFL ने उनकी कंपनियों को 1,322 करोड़ से ज्यादा का लोन दिया था।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96